हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 09 | अंक : 43 | प्रयागराज, रविवार 14 मई , 2023 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 3 रुपया

कर्नाटक सीएम की रेस में सिद्धरमैया सबसे आगे, कांग्रेस बोली, आलाकमान करेगा तय

नई दिल्ली। करीब ढाई दशक तक 'जनता परिवार से जुड़े रहे और कांग्रेस–विरोधी रुख के लिए पहचाने जाने वाले सिद्धरमैया 2006 में कांग्रेस में शामिल हुए थे और अब उन्हें कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद का सबसे प्रबल दावेदार माना जा रहा है। कांग्रेस के 75–वर्षीय नेता सिद्धरमैया शनिवार को जब मैसूर में खचाखच भरे संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करने पहुंचे तो वह नई ऊर्जा से लबरेज नजर आये। सिद्धरमैया ने कहा, ''यह (कर्नाटक में चुनाव परिणाम) 2024 में कांग्रेस की जीत की ओर महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने पूर्व में कई बार कहा था, ''यह मेरा अंतिम चुनाव है। मैं चुनावी राजनीति से संन्यास ले लूंगा। हालांकि, शनिवार को सिद्धरमैया ने संकेत दिया कि उनकी निगाहें भविष्य की संभावनाओं पर टिक गई हैं। मुख्यमंत्री पद पर काबिज होने की इच्छा जता चुके सिद्धरमैया अब आगे होने वाले घटनाक्रम का इंतजार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री पद के लिए सिद्धरमैया और कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार मुख्य तौर पर दौड़ में हैं।

सिद्धरमैया वर्ष 2013 से 2018 तक मुख्यमंत्री के रूप में राज्य की बागडोर संभाल चुके हैं। वर्ष 2013 में एम. मल्लिकार्जुन खरगे (वर्तमान में कांग्रेस अध्यक्ष) और तत्कालीन केंद्रीय श्रम मंत्री को पछाड़ते हुए सिद्धरमैया मुख्यमंत्री बने थे। वर्ष 2004 में खंडित जनादेश के बाद कांग्रेस और जनता दल (सेक्युलर) ने कर्नाटक में गठबंधन सरकार बनाई थी, जिसमें कांग्रेस नेता एन. धरम सिंह मुख्यमंत्री, जबकि तत्कालीन जद (एस) नेता सिद्धरमैया को उपमुख्यमंत्री बनाया गया था। सिद्धरमैया कुरुबा समुदाय से ताल्लुक रखते हैं और यह समुदाय राज्य में तीसरी सबसे बड़ी आबादी है। सिद्धरमैया को जद (एस) से बर्खास्त किए जाने के बाद पार्टी के आलोचकों ने दावा किया था कि उन्हें इसलिए हटाया गया, क्योंकि जद (एस) नेता एच. डी. देवेगौड़ा अपने बेटे कुमारस्वामी को पार्टी के नेता के रूप में बढ़ाने के इच्छुक थे। अधिवक्ता सिद्धरमैया ने उस वक्त भी 'राजनीति से सन्यांसश की बात कहते हुए वकालत के पेशे में लौटने का विचार व्यक्त किया था। उन्होंने अपनी पार्टी के गठन की संभावना को खारिज करते हुए कहा था कि वह धनबल नहीं जुटा सकते। भाजपा और कांग्रेस दोनों ने उन्हें लुभाते हुए पार्टी में पद देने की बात कही थी, लेकिन उन्होंने कहा था कि वह भाजपा की विचारधारा से सहमत नहीं हैं और 2006 में समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल हो गए थे। यह एक ऐसा कदम था जिसके बारे में कुछ वर्षों पहले तक सोचा भी नहीं जा सकता था। सिद्धरमैया 1983 में लोकदल के टिकट पर चामुंडेश्वरी विधानसभा सीट से जीत हासिल कर पहली बार विधानसभा पहुंचे थे। उन्होंने इस सीट से पांच बार जीत हासिल की और तीन बार पराजय का स्वाद चखा। मैसुरू जिले के गांव सिद्धारमनहुंडी में 12 अगस्त, 1948 को जन्मे सिद्धरमैया ने मैसुरू विश्वविद्यालय से विज्ञान में स्नातक की डिग्री ली और बाद में यहीं से कानून की डिग्री हासिल की।

राजस्थान में बदमाशों ने युवक का अपहरण कर की बुरी तरीके से मारपीट

भीलवाड़ा। राजस्थान में भीलवाड़ा शहर के बगता बाबा क्षेत्र में आधा नकाबपोश बदमाशों ने एक युवक का अपहरण कर हाथ–पैर बांधकर लोहे के पाइपों से करीब तीन घंटे तक मारपीट करने का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बगता बाबा, तिलकनगर निवासी जयेश तेली ने अस्पताल में मीडिया को दिये बयान में बताया कि वह कॉलोनी में ही शिव मंदिर के पास बीती रात को बैठा था। इस दौरान ब्रेजा कार से 6 लोग आये। इनमें से दो नकाबपोश थे। नीचे उतरे दो लोगों ने उसके (जयेश) की गर्दन पर तलवार रख दी और उसे जबरन कार में डाल दिया। कार में उसका मुंह बांध दिया। इसके बाद ये लोग उसे किसी खेत में ले गये, जहां उसे खेत में पटक कर हाथ–पैर बांध दिये और लोहे के पाइपो से करीब तीन घंटे तक मारपीट की। इस दौरान कार सवार 6 लोगों के अलावा पहले से 4 लोग खेत पर मौजूद थे। जयेश ने बताया कि इन आरोपितों में एक देवीलाल तेली, दीपक और किशन तेली शामिल थे।

कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरती दिख रही, यह जीत देश को जोड़ने वाली राजनीति की जीत है : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत तय नजर आने के बाद शनिवार को प्रदेश की जनता का आभार जताया और कहा कि यह देश को जोड़ने वाली राजनीति की जीत है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के लिए ुआंधार प्रचार करने वाली प्रियंका गांधी ने ट्वीट किया, कांग्रेस पार्टी को ऐतिहासिक जनादेश देने के लिए कर्नाटक की जनता को तहे दिल से धन्यवाद। ये आपके मुद्दों की जीत है। यह कर्नाटक की प्रगति के विचार को प्राथमिकता देने की जीत है। यह देश को जोड़ने वाली राजनीति की जीत है। उन्होंने कहा, कर्नाटक कांग्रेस के तमाम मेहनती कार्यकर्ताओं व नेताओं को मेरी शुभकामनाएं। आप सबकी मेहनत रंग लाई। कांग्रेस पार्टी पूरी लगन के साथ कर्नाटक की जनता को दी गई गारंटी को लागू करने का काम करेगी। जय कर्नाटक, जय कांग्रेस। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिये शनिवार को जारी मतगणना में 136 सीट पर बढ़त के साथ कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरती दिख रही है, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 64 सीट पर आगे है। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) की ओर से जारी ताजा आंकड़ों से यह जानकारी मिली। चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध अपराह्न दो बजे तक के आंकड़ों के अनुसार, राज्य की 224 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस को 10 सीट पर जीत मिल गई है, जबकि 126 सीट पर बढ़त बनाए हुए है। वहीं, सत्तारूढ़ भाजपा को 4 सीट पर जीत मिली गई है, जबकि 60 सीट पर बढ़त बनाए हुए है। उधर, जनता दल (सेक्युलर) के खाते में एक सीट आयी है और 19 पर बढ़त हासिल है, जबकि चार सीट पर अन्य को बढ़त हासिल है।

बजरंगबली की गदा बीजेपी के सिर पर पड़ी, कर्नाटक नतीजों पर बोले संजय राउत

मुंबई । कर्नाटक में विधानसभा चुनाव की 224 सीटों पर गिनती सुबह आठ बजे से जारी है। रुझानों में कांग्रेस को बहुमत मिल गया है। कांग्रेस 117, बीजेपी 75, जेडीएस 25 और अन्य 7 सीटों पर आगे चल रहे हैं। शुरुआती रुझानों से उत्साहित कांग्रेस ने कहा कि भाजपा को यह संदेश मिल गया है कि जनता के मुद्दों पर टिके रहना ही मायने रखता है। कर्नाटक विधानसभा चुनावों के रुझानों में बीजेपी को पिछड़ते देख शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने तंज कसा है। उनका कहना है कि बजरंगबली की गदा बीजेपी के सिर पर पड़ी है।

संजय राउत ने कर्नाटक में कांग्रेस को बहुमत हासिल करते देख कहा कि राज्य में कांग्रेस जीत रही है तो यह मोदी और अमित शाह की हार है। जिस तरह से प्रतिष्ठा का चुनाव बनाया था और जब लगा कि हार रहे हैं तो उन्होंने बजरंगबली को आगे कर दिया। बजरंगबली की गदा बीजेपी के सिर पर पड़ी है। ये 2024 के चुनाव का दिशा दर्शन है।

वहां, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि उनकी पार्टी प्रचंड बहुमत से चुनाव जीतेगी। नतीजे आने के बाद संख्या के आधार पर पार्टी अपनी रणनीति तय करेगी। खरगे ने कहा कि सीटों की संख्या हमें बताएगी कि आगे क्या करना है। हम नतीजों के बाद फैसला लेंगे। खरगे ने बीजेपी के ऑपरेशन लोटस की संभावना पर भी सवाल उठाया। कांग्रेस प्रमुख ने इस बात से भी इनकार किया कि उनकी पार्टी जेडीएस के साथ गठबंधन को लेकर कोई बातचीत कर रही हैं। उन्होंने कहा, हम किसी के पास नहीं जा रहे हैं।

मुंबईः सचिन तेंदुलकर ने दर्ज कराया केस इंटरनेट पर चल रहे फेक विज्ञापन

मुंबई। पूर्व कप्तान सचिन तेंदुलकर ने मुंबई क्राइम ब्रांच में एक केस दर्ज कराया। बता दें कि इंटरनेट पर चल रहे फेक विज्ञापनों में सचिन का नाम, फोटो और आवाज का इस्तेमाल होने को लेकर मामला दर्ज कराया है. तेंदुलकर की ओर से दर्ज मामले में कहा गया है कि उनके नाम, इमेज और आवाज का इस्तेमाल करके लोगों से ठगी की जा रही है.

मुंबई पुलिस साइबर सेल ने एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 426, 465 और 500 के तहत मामला दर्ज किया है। शिकायत में सचिन ने आरोप लगाया कि उत्पादों और सेवाओं को ऑनलाइन खरीदने के लिए नागरिकों को गुमराह करने के लिए अनाधिकृत रूप से विज्ञापनों का इस्तेमाल किया गया है। एक बयान में कहा कि अनधिकृत उत्पादों और सेवाओं को ऑनलाइन खरीदने के लिए भोले–भाले नागरिकों को गुमराह करने का दुर्भावनापूर्ण इरादा है। बयान में कहा गया है,हमने साइबर सेल विभाग के पास एक आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है और इसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उजागर किया है जहां इस तरह के भ्रामक विज्ञापन प्रसारित किए जा रहे हैं।

जालंधर लोकसभा उपचुनाव जीत पर बोले दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल, यह भगंवत मान के काम की जीत

नई दिल्ली। पंजाब के जालंधर लोकसभा उपचुनाव में आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार के बड़े अंतर से आगे होने के बीच पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि राज्य की भगवंत मान सरकार के अच्छे काम की वजह से पार्टी की यह ''शानदार जीत हुई है। चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध ताजा रुझानों के अनुसार, आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवार सुशील रिंकू निकटतम प्रतिद्वंद्वी और कांग्रेस उम्मीदवार करमजीत कौर चौधरी से 48,000 से अधिक मतों से आगे चल रहे हैं। जालंधर उपचुनाव में जीत के बाद आम आदमी पार्टी का लोकसभा में एक सदस्य हो जायेगा। पिछले साल संगरूर में हुए उपचुनाव में हार के बाद लोकसभा में आप का एक भी सदस्य नहीं था। पंजाब विधानसभा के लिए चुने जाने के बाद मान ने लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था, जिसके कारण संगरूर संसदीय सीट खाली हो गई थी। राज्यसभा में आप के फिलहाल 10 सदस्य हैं।

आम आदमी पार्टी के मुख्यालय में जालंधर उपचुनाव के बारे में बातचीत करते हुये दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा, ''भगवंत मान सरकार के पंजाब में अच्छे काम का नतीजा जालंधर उपचुनाव में यह अप्रत्याशित जीत है। हमारी पार्टी के उम्मीदवार ने वहां जीत हासिल की है, जो पिछले 50 साल से कांग्रेस का गढ़ था। जालंधर से कांग्रेस सांसद संतोख सिंह चौधरी का इस साल जनवरी में दिल का दौरा पड़ने के बाद निधन हो गया था, जिससे यह सीट रिक्त हुई थी और पार्टी ने वहां से दिवंगत सांसद की पत्नी करमजीत कौर चौधरी को उम्मीदवार बनाया था। केजरीवाल ने कहा,'हम काम की राजनीति करते हैं और अपने काम के लिए लोगों से वोट मांगते हैं, और लोगों ने भगवंत मान सरकार के कार्य पर ठप्पा लगा दिया है कि हम आपके साथ हैं यह एक बड़ा संदेश है। केजरीवाल के साथ मौजूद मान ने कहा कि उपचुनाव के रुझान दर्शाते हैं कि पंजाब में उनकी सरकार द्वारा अब तक किए गए कार्यों पर लोगों ने सकारात्मक मुहर लगा दी है। उन्होंने कहा, चुनाव परिणाम ने हमारी जिम्मेदारी और मेरा आत्मविश्वास बढ़ाया है। हम पंजाब के विकास के लिए और अधिक मेहनत करेंगे।

भाजपा द्वारा आयोजित हिंदू एकता यात्रा में शामिल हो सकती है–फिल्म द केरल स्टोरी की टीम

हैदराबाद। विवादास्पद फिल्म द केरल स्टोरी की टीम 14 मई को तेलंगाना के करीमनगर शहर में भाजपा द्वारा आयोजित की जा रही हिंदू एकता यात्रा में शामिल हो सकती है। राज्य भाजपा प्रमुख बंदी संजय कुमार ने गुरुवार को कहा कि वह हिंदू एकता यात्रा में टीम की मेजबानी करने के लिए उत्सुक हैं। करीमनगर से सांसद संजय ने ट्वीट करके श्द केरल स्टोरी में अभिनय करने वाली अदाह शर्मा को जन्मदिन की बधाई दी। संजय ने ट्वीट करते हुए लिखा, सिनेमाघरों में आपका शानदार करियर हो और हमारे सांस्कृतिक लोकाचार को छूने वाली और अपरंपरागत स्क्रिप्ट लाएं। वह हिंदू एकता यात्रा में फिल्म टीम की मेजबानी करने के लिए उत्सुक हैं। हैदराबाद में 7 मई को फिल्म देखने के बाद संजय ने कहा था कि वह ऐसी और फिल्में बनाने को प्रोत्साहित करेंगे। इस दौरान उन्होंने राज्य में भाजपा के सत्ता में आने पर टैक्स में छूट देने का वादा किया था। संजय ने खुलासा किया था कि उन्होंने फिल्म के निर्देशक और निर्माता सुदीप्तो सेन और विपुल शाह को हिंदू एकता यात्रा के लिए आमंत्रित किया था। संजय ने आरोप लगाया कि देश में आतंक फैलाने और लव जिहाद को बढ़ावा देने की साजिश है। उन्होंने दावा किया कि फिल्म में जमीनी हकीकत का केवल 5 प्रतिशत दिखाया गया है। संजय को हिंदू एकता यात्रा में लगभग एक लाख लोगों के आने की उम्मीद है। इस यात्रा में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, तेलंगाना के भाजपा प्रभारी तरुण चुघ और अन्य नेता शामिल होंगे। संजय ने हिंदू धर्म की रक्षा के लिए काम करने वाले सभी लोगों से यात्रा में भाग लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यात्रा हिंदुओं की एकता को प्रदर्शित करेगी। यात्रा को इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों में बहुमत के ध्रुवीकरण के भाजपा के एक और प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

चुनाव में चंद महीने बचे हैं और भगवा पार्टी ने अपने वोट बैंक को मजबूत करने की कोशिशें तेज कर दी हैं। पिछले हफ्ते, भाजपा ने बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने के लिए कांग्रेस की आलोचना की थी। भाजपा कार्यकर्ताओं ने हैदराबाद में कांग्रेस पार्टी के राज्य मुख्यालय गांधी भवन के सामने हनुमान चालीसा का पाठ किया था। गौरतलब है कि कांग्रेस ने कर्नाटक में अपने चुनावी घोषणा पत्र में बजरंग दल पर बैन लगाने का वादा किया था। जिसका भाजपा नेताओं ने विरोध करते हुए कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा था।

इस महीने ममता बनर्जी के दिल्ली आने की संभावना

कोलकाता पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस महीने के अंत तक दिल्ली आने की संभावना है। तश्णमूल कांग्रेस के सूत्रों ने कहा है कि मुख्यमंत्री के राष्ट्रीय राजधानी के संभावित दौरे का आधिकारिक कारण नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की बैठक में शामिल होना होगा। हालांकि, पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि बनर्जी इस अवसर का इस्तेमाल विपक्षी नेताओं से मिलने के लिए कर सकती हैं। उन्होंने कहा, हमने सुना कि उसी समय राष्ट्रीय राजधानी में जदयू नेता और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा बुलाई जाने वाली विपक्षी पार्टियों की बैठक हो सकती है। अगर ऐसा होता है, तो बनर्जी इसमें शामिल होंगी। उन्होंने बताया कि बैठक की संभावनाएं काफी अधिक हैं, क्योंकि विपक्ष शासित अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री नीति आयोग के कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। हालांकि, तश्णमूल कांग्रेस के नेता ने इस बात की पुष्टि करने से इनकार कर दिया कि क्या बनर्जी की कांग्रेस नेता सोनिया गांधी या पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ कोई अलग बैठक होने की संभावना है। अब तक तश्णमूल कांग्रेस का आधिकारिक स्टैंड बीजेपी और कांग्रेस दोनों से समान दूरी बनाए रखने और समान विचारधारा वाले क्षेत्रीय दलों के साथ संवाद जारी रखने का है। हाल ही में नीतीश कुमार ने बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के साथ पश्चिम बंगाल राज्य सचिवालय में ममता बनर्जी के साथ बैठक की थी। बैठक में, उन्होंने सभी विपक्षी दलों को अपने अहंकार को छोड़कर एक साथ काम करने का आह्वान किया, वह एकजुट विपक्ष गठबंधन के लिए अपनी पार्टी के ब्लूप्रिंट में कांग्रेस को शामिल करने के बारे में चुप रहीं। पता चला है कि बैठक के बाद भी पश्चिम बंगाल और बिहार के मुख्यमंत्री लगातार एक–दूसरे के संपर्क में हैं और विपक्ष को एकजुट करने को लेकर बातचीत जारी है।

कर्नाटक में कांग्रेस की जीत और प्रधानमंत्री की हार हुई : जयराम रमेश

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव के अब तक के रुझानों में निर्णायक बढ़त हासिल करने के बाद शनिवार को कहा कि राज्य में उसकी जीत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हार हुई है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने चुनाव अभियान को प्रधानमंत्री मोदी पर जनमत संग्रह के रूप में तब्दील कर दिया था, लेकिन उसके इस प्रयास को जनता ने ठुकरा दिया। उन्होंने ट्वीट किया, ''कर्नाटक में यह तय हो गया है कि कांग्रेस की जीत और प्रधानमंत्री की हार हुई है। भाजपा ने अपने चुनाव प्रचार को प्रधानमंत्री पर जनमत संग्रह का रूप दे दिया था और राज्य को उनका 'आशीर्वाद मिलने पर केंद्रित कर दिया था। इसे जनता ने खारिज कर दिया है। उनका कहना था, कांग्रेस पार्टी यह चुनाव लोगों की जीविका, खाद्य सुरक्षा, महंगाई, किसानों की समस्या, बिजली आपूर्ति, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर लड़ी थी। रमेश ने दावा किया, प्रधानमंत्री ने विभाजन पैदा करने और ध्रुवीकरण का प्रयास किया। कर्नाटक में वोट बैंगलुरु में एक ऐसे 'इंजनश के लिए दिया गया है, जो सामाजिक सद्भाव के साथ आर्थिक विकास कर सके। उल्लेखनीय है कि कर्नाटक में मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस शनिवार को जारी मतगणना के रुझानों के अनुसार 113 के जादुई आंकड़े को पार करते हुए राज्य में अपने दम पर सरकार बनाती और दक्षिण में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एकमात्र गढ़ कर्नाटक में सेंध लगाने की राह पर दिख रही है।

सम्पादकीय

मौसम की तल्खी

हाल के दिनों में मौसम के मिजाज में आये अप्रत्याशित बदलाव ने मौसम विज्ञानियों को चौंकाया है। सामान्य लोग भले ही कहते रहे हैं कि मई में फरवरी–मार्च के मौसम का अहसास हो रहा है, क्या मई में गर्मी आयेगी? लेकिन यह स्थिति इतनी सामान्य बात नहीं है। इस परिवर्तन के गहरे निहितार्थ हैं और हमारे मौसम चक्र के लिये यह शुभ संकेत कदापि नहीं है। मौसम के बदलावों से हमारी वनस्पति, फसलों व फलों के उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और उनका स्वाभाविक विकास भी बाधक होता है। कहा जा रहा है कि यह असामान्य मौसम आज के दौर का नया सामान्य है। पिछले मार्च में अचानक गर्मी का बढ़ जाना और मई में तापमान का सामान्य से कम हो जाना अच्छा संकेत नहीं कहा जा सकता। मार्च में गेहूं की फसल के पकने के समय बढ़ी गर्मी से इसके उत्पादन में कमी आने की बात सामने आई थी। चौंकाने वाली बात यह भी है कि मई माह में हिमालय पर्वत शृंखलाओं की ऊंची चोटियों पर हिमपात हुआ। निस्संदेह, इस मौसम में जम्मू–कश्मीर, उत्तराखंड व हिमाचल में कम ऊंचाई वाले इलाकों में हिमपात होना आश्चर्य की ही बात है। ये दुर्लभ घटनाएं हमारी चिंता का विषय होनी चाहिए। कहने को तो कहा जा रहा है कि रिकॉर्ड निम्न तापमान गर्मी से राहत देने वाला है, लेकिन मौसम के मिजाज में बदलाव हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि मौसम में इस तरह के उतार–चढ़ाव दरअसल जलवायु संकट का विस्तार बताये जाते हैं। आशंका जतायी जा रही है कि इस बदलाव का असर मानसून की गुणवत्ता पर भी पड़ सकता है। जो एक गंभीर विश्लेषण की मांग करता है। मौसम विज्ञानियों को आशंका है कि पृथ्वी के लगातार गर्म होने के बीच मौसम के चरम की ऐसी घटनाएं हमारे सामान्य जीवन पर प्रतिकूल असर डाल सकती हैं। जिसकी चुनौती का समय रहते मुकाबला जरूरी है। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों भारत व पाकिस्तान के कुछ हिस्सों में भीषण गर्मी देखी गई थी। वैज्ञानिक आशंका जता रहे हैं कि वर्ष 2031 से 2060 के बीच भीषण गर्मी पड़ सकती है। गर्मी की यह तीव्रता कालांतर वर्ष 2071 से 2100 के बीच दोगुनी हो सकती है। मौसम विज्ञानियों के अध्ययन से पता चलता है कि भारत में वर्ष 2000 से 2004 और 2017 से 2021 के बीच अत्यधिक गर्मी से होने वाली मौतों में 55 फीसदी की वृद्धि हुई है। दरअसल, अरब सागर के गर्म होने से उत्तर पश्चिम और मध्य भारत में गर्मी की तीव्रता में तेजी आने की आशंका जतायी जा रही है। निस्संदेह, भविष्य के आसन्न संकट को देखते हुए हमें ठोस योजनाएं बनाने की जरूरत है। सार्वजनिक सुरक्षा की बड़ी चिंताओं को ध्यान में रखते हुए ताप से बचाव की एक व्यापक कार्य योजना बनाना वक्त की जरूरत है। हमें शहरों को नुकसान से बचाने के लिये तैयार रहना होगा क्योंकि हमारे सामने पूरी तरह से नई परिस्थितियां उत्पन्न हो रही हैं। खासकर समाज के कमजोर वर्गों की पहचान करने की जरूरत है। यह तथ्य भुलाया नहीं जा सकता है कि मौसम की तीव्रता का असर समाज के गरीब तबके पर अधिक होता है। अब चाहे लू हो, शीत लहर हो या बाढ़– इसका शिकार यही गरीब तबका होता है। निस्संदेह, सबसे पहले आर्थिक रूप से कमजोर आबादी की पहचान की जानी चाहिए। फिर आपातकालीन स्थितियों से मुकाबले के लिये बुनियादी ढांचा तैयार किया जाना चाहिए। साथ ही गर्मी के जोखिम से जुड़े स्वास्थ्य के खतरों के मद्देनजर जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए। समाज में कॉरपोरेट्स और स्वैच्छिक संगठनों को कस्बों और शहरों में पीने योग्य पानी की सुविधा जुटाने के लिये सहयोग करना चाहिए। सरकारों का दायित्व है कि गर्म होते पर्यावरण के मद्देनजर वे तत्काल वित्तीय व तकनीकी सहायता प्रदान करें। शहरों में हरियाली का विस्तार समस्या के निस्तारण में मूल्यवान निवेश साबित होगा। इसके अलावा गर्मी से बचाव के लिये परंपरागत भवन निर्माण शैली के साथ सामंजस्य बैठाकर अनुकूल निर्माण तकनीकों को प्रोत्साहित करना होगा।

मुद्दा रुपये की ताकत का

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने गोवा आए रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने रुपया–रुबल में कारोबार के बारे में जो टिप्पणी की, उससे भारतीय बौद्धिक वर्ग का एक बड़ा हिस्सा आहत है। लावरोव ने यह टिप्पणी विदेशी मीडिया में आई एक खबर के बारे में पूछे जाने पर की। खबर यह है कि रूस ने भारतीय आयात का रुपये में भुगतान को लेकर चल रही बातचीत रोक दी है। इस बारे में सवाल पर लावरोव ने कहा कि भारतीय बैंकों में पहले ही रूस का काफी रुपया जमा हो चुका है। उसका कोई उपयोग उसे नहीं सूझ रहा है। इसलिए यह समस्या वास्तविक है। साथ ही उन्होंने जोड़ा कि इस समस्या का समाधान ढूंढने के लिए दोनों पक्षों में बातचीत चल रही है। इस कथन से भारतवासियों की आहत हुई राष्ट्रीय भावना के सवाल को एक अगर थोड़ी देर के लिए भूल जाएं, तो यह प्रश्न उठेगा कि लावरोव ने जो कहा क्या वह बात सिरे से निराधार है? इस सिलसिले में इस बात का अवश्य उल्लेख होना चाहिए कि यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से भारत सरकार ने रुपये को वैश्विक रिजर्व करेंसी बनाने की महत्त्वाकांक्षा में अपनी ताकत झोंक रखी है। अनेक देशों के साथ रुपये में भुगतान के लिए करार हुआ है और उसका सिस्टम भी बन गया है। लेकिन असल में भुगतान हो नहीं रहा है। कारण बहुत स्पष्ट है। रुपया सिर्फ उन देशों को स्वीकार्य हो सकता है, जिनका भारत से आयात ज्यादा निर्यात कम है। जो देश भारत को अधिक निर्यात करते हैं, उनके सामने एक सीमित मात्रा के बाद रुपये की उपयोगिता का प्रश्न उठ खड़ा होगा।

नीतीश बाबू की मुहीम जारी है

2024 के लोकसभा चुनावों से पहले पूरे देश में विपक्षी दलों के बीच एकता स्थापित करने की जिस मुहीम पर बिहार के मुख्यमन्त्री व जनता दल (यू) के नेता श्री नीतीश कुमार निकले हुए हैं उसके फलीभूत होने की उम्मीदें अधिकतर विरोधी दलों ने जाहिर जरूर की हैं मगर अभी तक यकीन से यह नहीं कहा जा सकता कि सभी भाजपा विरोधी दल मिलकर कोई ऐसा मंच बना सकते हैं जिससे चुनावों में भाजपा व विपक्षी दलों के बीच एक–एक प्रत्याशी के आधार पर भिड़न्त हो सके। इस मार्ग में बहुत सी कठिनाइयां नजर आती हैं। सबसे बड़ी कठिनाई यह है कि केवल भाजपा व कम्युनिस्टों को छोड़ कर पूरे देश में अधिकतर मजबूत क्षेत्रीय विरोधी दल ऐसे हैं जिनका जन्म कांग्रेस विरोध की वजह से ही हुआ है। इसकी वजह यह है कि 80 का दशक शुरू होने तक पूरे देश में कांग्रेस की स्थिति वर्तमान भाजपा की स्थिति से भी मजबूत मानी जाती थी। आज भी देश में कई क्षेत्रीय नामों से अलग कांग्रेस पार्टियां चल रही हैं जैसे महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस, प. बंगाल में तृणमूल कांग्रेस, आन्ध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस आदि। इनके अलावा और भारत की क्षेत्रीय पार्टी हैं जो कांग्रेस से ही निकल कर अलग–अलग प्रदेशों में पृथक–पृथक नामों से चल रही हैं। ऊपर से देखा जाये तो इनका भाजपा विरोध के नाम पर एक मंच पर आना बहुत सरल दिखता है मगर वास्तव में जमीन पर ऐसा नहीं है क्योंकि जमीन पर इनका मुकाबला आज भी कहीं न कहीं मूल कांग्रेस से ही होता रहता है। श्री नीतीश कुमार इन सब विरोधाभासों को देखते हुए ही विपक्षी एकता के प्रयास कर रहे हैं। हालांकि डेढ़ साल पहले तक वह खुद भाजपा के सहयोग से बिहार की सरकार चला रहे थे मगर उनकी इस पार्टी के साथ कुछ मूल सिद्धान्तों को लेकर जब अनबन हुई तो उन्होंने अपना रास्ता बदल लिया और लालू जी की राष्ट्रीय जनता दल पार्टी के साथ हाथ मिला लिया। मोटे तौर पर नीतीश बाबू की कोशिश यह लगती है कि भाजपा के विरोध में कांग्रेस के साथ पूरे देश की वे सभी राजनैतिक शक्तियां एक मंच पर आयें जिन्हें सामाजिक न्याय की पैरोकार माना जाता है। मगर इस बार विपक्षी एकता का प्रयास दो दिशाओं की तरफ से हो रहा है। दक्षिण के राज्य तमिलनाडु के द्रमुक पार्टी के नेता व मुख्यमन्त्री श्री एम. के. स्टालिन भी लगातार प्रयास कर रहे हैं कि सभी भाजपा विरोधी दल एक मंच पर आयें। सैद्धान्तिक रूप से सामाजिक न्याय की अलम्बरदार पार्टियों की एकता का मन्त्र उन्हीं ने दिया है और इस बाबत अपने राज्य में पिछले दिनों एक महासम्मेलन भी कराया था। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि उत्तर में नीतीश बाबू व दक्षिण में स्टालिन विपक्षी एकता की गाड़ी को चला रहे हैं। इन प्रयासों में कुछ राज्य अवरोध जैसे नजर आते हैं जैसे प. बंगाल में ममता बनर्जी। उनके राज्य में जमीन पर कम्युनिस्ट व कांग्रेस पार्टी अभी भी मुकाबले से बाहर नहीं जाते हैं जबकि भाजपा ने काफी हद तक विपक्ष की भूमिका ले ली है। ममता दी ने 2011 में ही अपने राज्य से वामपंथियों के लम्बे शासन को हटाया था। अतः इस राज्य में यदि नीतीश बाबू के एक के मुकाबले एक फार्मूले पर चलें तो ममता दी की तृणमूल कांग्रेस व कम्युनिस्टों के बीच गठबन्धन करना होगा। यह किसी तौर पर मुमकिन नहीं लगता है। इसी प्रकार तेलंगाना राज्य की सत्तारूढ़ भारत राष्ट्रीय समिति भी कांग्रेस से निकली हुई ही पार्टी है मगर राज्य में इसका मुख्य मुकाबला भी कांग्रेस पार्टी से ही रहता है। भाजपा का यहां अधिक प्रभाव नहीं माना जाता। यही हालत पड़ोस के आन्ध्र प्रदेश राज्य की है जहां वाईएसआर कांग्रेस के जगन मोहन रेड्डी मुख्यमन्त्री हैं। उनका मुकाबला क्षेत्रीय दल तेलगूदेशम से जरूर हो मगर राज्य में कांग्रेस पार्टी भी एक ताकत है। ओडिसा राज्य की हालत बिल्कुल विचित्र है। मार्च 2000 से इस राज्य में बीजू जनता दल के नेता श्री नवीन पटनायक मुख्यमन्त्री हैं। पिछले 23 वर्षों में केन्द्र में भाजपा व कांग्रेस नीत गठबन्धनों की सरकारें रही हैं। बीजू जनता दल का केन्द्र की सरकारों के प्रति रवैया तभी से 'इस हाथ दे उस हाथ ले' की तर्ज पर रहा है। लोकसभा में इस पार्टी के सदस्य संकट या मौका पड़ने पर सत्तारूढ़ गठबन्धन की सरकारों का समर्थन कर देते हैं। इसमें वाजपेयी सरकार भी रही और मनमोहन सरकार भी और अब मोदी सरकार भी। पिछले दिनों ही नीतीश बाबू ने नवीन पटनायक से कटक जाकर मुलाकात की थी। मुलाकात के बाद नीतीश बाबू ने कहा कि बातचीत बहुत लाभप्रद रही और विपक्षी एकता एक कदम आगे बढ़ी मगर कल ही नवीन पटनायक ने दिल्ली में प्रधानमन्त्री से भेंट की और कहा कि किसी तीसरे मोर्चे या विपक्षी मोर्चे का कोई सवाल ही नहीं। बीजू जनता दल अकेले अपने दम पर ही लोकसभा चुनाव लड़ेगा और कांग्रेस व भाजपा से बराबर की दूरी बनाये रखेगा। लेकिन दूसरी तरफ यह भी कहा जा रहा है कि यदि कर्नाटक के आज घोषित होने वाले चुनाव परिणामों में कांग्रेस इस राज्य में सत्तारूढ़ होने में कामयाब हो जाती है तो इसका असर राष्ट्रीय स्तर पर इस प्रकार पड़ेगा कि नीतीश बाबू के पास विरोधी दल खुद पहुंचेंगे। **—आदित्य नारायण**

आतंकिस्तान में गदर

पड़ोसी मुल्क के बारे में तो यही कहा जाता है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद धूं–धूं कर जले पाकिस्तान में शहबाज सरकार इमरजेंसी लगाने की तैयारी कर रही है। लेकिन इस संबंध में शहबाज के मंत्रियों के स्वर अलग–अलग हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद से ही कंगाल हो चुके आतंकिस्तान में गदर मचा हुआ है। सेना और पुलिस की गोलियों से लाशें बिछ रही हैं और शहर जल उठे हैं। इमरान खान की पार्टी तहरीक–ए–इंसाफ के कार्यकर्ता और समर्थक पूरे पाकिस्तान में हिंसक प्रदर्शन कर रहे हैं। जिस तरह का विरोध देखने को मिल रहा है उसका अंदाजा तो पाकिस्तान सेना और शहबाज सरकार को भी नहीं था। पाकिस्तान में गृहयुद्ध की आशंका तो काफी पहले से ही व्यक्त की जा रही थी। पाकिस्तान के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब जनता ने सेना के मुख्यालय में घुसकर हमला किया है। लाहौर के आर्मी कैंप में तोड़फोड़ की गई है। जहां तक कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के मुख्यालय को भी निशाना बनाया गया। पाकिस्तान के आवाम में पाकिस्तानी सेना के प्रति जबर्दस्त आक्रोश देखने को मिल रहा है। आक्रोश का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पाकिस्तान के जनरलों और शहबाज शरीफ के घरों को भी निशाना बनाया गया है। जहां तक की लोगों ने कायदेआजम मोहम्मद अली जिन्ना के आवास को भी जलाकर राख कर दिया। आक्रोश को शांत करने के लिए न तो पाकिस्तानी सेना के पास कोई रणनीति है और शहबाज शरीफ सरकार असहाय दिख रही है।

इमरान खान की गिरफ्तारी और उसके बाद पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनकी रिहाई के आदेश, तोशाखाना मामले में कोर्ट द्वारा निचली कार्रवाई पर रोक और अल कादिर ट्रस्ट मामले में हाईकोर्ट द्वारा जमानत देने के घटनाक्रम और सभी मामलों में जमानत देने के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि पाकिस्तान की न्यायपालिका का विपक्ष खासतौर पर इमरान खान के प्रति रुख नरम है। इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद की कार्रवाई को लेकर पाकिस्तान सेना में भी फूट पड़ चुकी है। राजनीतिक दलों के नेता एक–दूसरे के खिलाफ आग उगल रहे हैं। इन सब परिस्थितियों में लोकतांत्रिक प्रतिष्ठान कमजोर पड़ चुके हैं। सेना कब का तख्ता पलट कर चुकी होती, लेकिन अब वह कंगाल हो चुकी अर्थव्यवस्था का बोझ ढोने को तैयार दिखाई नहीं दे रही। शहबाज सरकार और न्यायपालिका में भी पूरी तरह से ठनी हुई है। इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद पाकिस्तान जिस तरह आग की लपटों में घिरा उसे देखकर यही कहा जा सकता है कि सरकार ध्स्थति का आंकलन करने में नाकाम साबित हुई। क्रिकेटर से राजनीतिज्ञ बने इमरान खान पर भ्रष्टाचार और हत्या तथा हत्या के प्रयास के गंभीर आरोप हैं लेकिन सरकार इमरान खान को गिरफ्तार करने में विफल रही थी। हैरानी की बात तो यह है कि इमरान खान की गिरफ्तारी पाकिस्तानी सेना के रेंजर्स ने की। इसका अर्थ यही है कि पाकिस्तानी सेना ने एक बार फिर अपना वर्चस्व दिखाया है। पाकिस्तान की सेना ने बार–बार लोकतंत्र को अपने बूटों तले रौंदा है।

आजादी के बाद से ही पाकिस्तान का राजनीतिक इतिहास पूर्व प्रधानमंत्रियों के खून से रंगा है। पाकिस्तान में लोकतांत्रिक ढंग से चुने गए जिन हुक्मरानों ने सेना को चुनौती देने की हल्की सी भी कोशिश की उन्हें दूध में से मक्खी की तरह सत्ता से निकाल कर फैंक दिया गया। क्रिकेट की पिच से सियासत की पिच पर एंट्री करने वाले इमरान खान का भी ऐसा ही हाल हुआ। कभी फौज के लाडले खान अब उसी सेना की आंखों में चुभ रहे थे। इमरान खान और उसके समर्थकों ने सेना और आईएसआई जैसी पाकिस्तान की ही ताकतवर संस्थाओं को चुनौती देने की कोशिश की। उसने उनके सियासी खात्मे की पटकथा लिख दी। सत्ता में रहते हुए इमरान खान का टकराव पाकिस्तानी सेना के चीफ जनरल बाजवा से हो गया था। इमरान खान लगातार पाकिस्तानी फौज को निशाना बना रहे थे और अपनी तकरीरों में फौज और आईएसआई के जनरलों के खिलाफ आरोपों की बौछार कर रहे थे। लोकप्रियता के जहाज पर सवार इमरान रुकने को तैयार नहीं थे लेकिन अंततः फौज ने ही उन्हें दबोच लिया। पाकिस्तान के जलने के पीछे एक नहीं अनेक कारण हैं। पाकिस्तान में वैसे भी बेतहाशा महंगाई और विभिन्न सामानों की किल्लत के कारण लोगों की नाराजगी चरम पर पहुच चुकी है। महंगाई का आलम यह है कि लोगों के लिए अपनी सामान्य जरूरतें पूरी करना भी मुश्किल हो गया है।

ऐसे में इमरान की गिरफ्तारी ने आग में घी डालने का काम किया है। आईएमएफ की ओर से पाकिस्तान सरकार को अभी तक लोन नहीं मिल सका है। आईएमएफ का कहना है कि पाकिस्तान सरकार की ओर से शर्तें पूरी नहीं की गई हैं। कुल मिलाकर पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता फैल चुकी है। आर्थिक स्थति पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। पाकिस्तान का वजूद खतरे में दिखाई दे रहा है। ऐसे में पाकिस्तान के आवाम पर दुनियाभर की नजरें लगी हुई हैं।

आज का राशिफल

मेष :– आज प्रतिकूलता का सामना करना पड़ेगा मानसिक रूप से आप अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। व्यर्थ खर्च की मात्रा भी बढेगी। पूंजी–निवेश में ध्यान रखें। लेन–देन करते समय सतर्क रहें।

वृषभ :– आज का दिन व्यापार में और आय वृद्धि होने में लक्ष्मीजी की कश्पा रहेगी। परिवारजनों और मित्रों के साथ आनंद–प्रमोद का वातावरण रहेगा। छोटा प्रवास आनंददायी रहेगा। पूरे दिन उल्लास और प्रसन्नता छायी रहेगी।

मिथुन :– शारीरिक और मानसिक रूप से आज दिनभर प्रसन्नता छाई रहेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में कार्य की प्रशंसा होने से कार्य के प्रति उत्साह भी बढ़ेगा। सहकर्मियों से सहयोग मिलेगा। सामाजिक क्षेत्र में भी मान–सम्मान प्राप्त होगा।

कर्क :– आज का दिन भाग्य में वृद्धि होने का दिन है। विदेश या दूर देश से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। छोटा प्रवास या किसी धार्मिक यात्रा से मन की प्रसन्नता में वश्द्धि होगी। मित्रों और परिवारजनों के साथ दिन खुशी में बीतेगा।

सिंह :– स्वास्थ्य के प्रति आज अधिक ध्यान रखने की आवश्यकता है। आज खान–पान घर पर ही करें तो लाभदायी रहेगा। वैचारिक स्तर पर नकारात्मकता छाई रहेगी। आध्यात्मिकता के प्रति रुचि, ध्यान आपको उचित मार्ग पर ले जाएंगे।

कन्या :– आज का दिन आपके लिए शुभ है। यश कीर्ति प्राप्त होने में सरलता रहेगी। व्यापार के क्षेत्र में भागीदारों के साथ सम्बंधो में सकारात्मकता बढेगी। वस्त्राभूषणों की खरीदी से मन आनंदित होगा। मित्रों के साथ प्रवास का आनंद लूट सकेंगे।

तुला :– आप का स्वास्थ्य आज अच्छा रहेगा। व्यवसायिक क्षेत्र में लाभ होगा। परिवारजनों के साथ आप समय आनंदपूर्वक बिता सकेंगे। वाणी पर संयम रखें। खर्च की मात्रा आज बढ़ न जाए इसका भी ध्यान रखिएगा।

वृश्चिक :– वाद–विवादों में न फंसने की सलाह है। संतान के विषय में चिंता रहेगी। विद्यार्थियों को अभ्यास में सफलता प्राप्त होने से उनके उत्साह में वृद्धि होगी। शेयर–सट्टे में पूंजी–निवेश न करने की सलाह है।

धनु :– मानसिक रूप से आज आप में उत्साह का अभाव रहेगा, जिससे मन में अशांति बनी रहेगी। पारिवारिक वातावरण क्लेषपूर्ण रहेगा, क्योंकि परिवारजनों के साथ अनबन हो सकती है। धनहानि का योग है।

मकर :– मित्रों और परिवारजनों के साथ आज का दिन खुशी में बीतेगा। किसी पर्यटन स्थल पर प्रवास भी हो सकता है। व्यवसायियों और विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है। विरोधी परास्त होंगे। नये कार्यो का शुभारंभ कर पाएंगे।

कुंभ :– मानसिक रूप से दुविधा का अनुभव होने से कोई निश्चित निर्णय लेने में कष्ट होगा। निरर्थक खर्च से बचें। वाणी पर संयम रखें। विद्यार्थियों को अभ्यास में समय मन की एकाग्रता पर अधिक जोर देना पड़ेगा।

मीन :– शारीरिक और मानसिक रुप से आपका स्वास्थ्य प्रसन्नता से भरा रहेगा। उत्साहपूर्ण वातावरण होने से नए कार्य का प्रारंभ करने की प्रेरणा मिलेगी। पारिवारिक वातावरण में सुख–शांति बनी रहेगी। धनप्राप्ति का योग है।

पाकिस्तान में तबाही और मार्शल ला लगने के संभावित आसार

पाकिस्तान नागरिक विद्रोह की आग में जल रहा हैस यह इतिहास में पहली बार हुआ है कि पाकिस्तान में सेना और आम नागरिक आमने–सामने हैं. इमरान खान को कई केसों में जेल भेज कर सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर छोड़ना पड़ा, पर इमरान पूरी तरह से अभी छूटे नहीं हैस इमरान की गिरफ्तारी में उनके समर्थकों ने सड़क पर आकर जो तोड़फोड़ और सरकारी संपत्ति का नुकसान किया है उस घटना ने पाकिस्तान को 20 साल पीछे धकेल दिया हैस शहवाज शरीफ की सरकार बुरी तरह से घबराई हुई है और वहां के सेना के जनरल मुनीर मार्शल लॉ लगाने की तैयारी में हैस यह उल्लेखनीय है कि सेना के 6, 7 कमांडर इमरान खान के खुले समर्थक हैं इस स्थिति में मार्शल ला लगना भी संभावित नहीं दिखाई दे रहा हैस

पाकिस्तान पहले से ही परेशान, कर्ज में डूबा हुआ और महंगाई, बेरोजगारी से बुरी तरह त्रस्त रहा हैस शहबाज शरीफ सरकार के पास शासन चलाने के लिए पर्याप्त धनराशि भी नहीं हैस शरीफ के पास सरकार चलाने का पर्याप्त अनुभव भी नहीं हैस 1947 में स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद पाकिस्तान सरकार में 18 प्रधानमंत्रियों में से एक प्रधानमंत्री भी अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सका है ।करेला ऊपर से नीम चढ़ा पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने पाकिस्तानी सेना और शाहबाज शरीफ सरकार की नाक में दम कर रखा है। रावलपिंडी में इमरान खान पर गोली दागने से क्रोधित समर्थकों ने कई जगह सेना पर आक्रमण कर मेजर जनरल, गृहमंत्री राणा और प्रधानमंत्री के निवास को घेरकर तोड़फोड़ की है। इमरान खान के समर्थक अब रावलपिंडी से इस्लामाबाद तक लोंग मार्च करेंगे और सेना तथा सरकार का खुलकर विरोध करने वाले हैं। 1947 से स्वतंत्रता के बाद यह पहली बार हुआ जब सेना के विरुद्ध पाकिस्तानी आवाम खुलकर विद्रोह करने पर आमादा है। ऐसा लगता है कि वहां सरकार तथा सेना के विरुद्ध आम नागरिकों का विद्रोह हो जाएगा। पहली बार सेना के जनरल मुनीर की की सेना आवाम से डरी दिखाई दे रही है, पाकिस्तान विद्रोह की ज्वालामुखी कर बैठा है कभी भी विस्फोटक स्थिति बन सकती है। यह तथ्य सार्वजनिक है कि पाकिस्तान चीन का सबसे बड़ा शागिर्द देश है। अमेरिका ने इसी के फल स्वरुप पाकिस्तान को सबसे संदिग्ध एवं खतरनाक आतंकवादी देश घोषित कर दिया है। इस बात से तिलमिलाकर शहबाज शरीफ चीन की यात्रा पर जाने वाले हैं वहां वह आपसी संबंधों को फिर से सुधारने तथा देश चलाने के लिए आर्थिक मदद की गुहार लगाने जाएंगे। पाकिस्तान की हालत बहुत ज्यादा खराब एवं पतली है। पाकिस्तान में रोजमर्रा के खर्चे के लिए पैसे नहीं है और उस पर इमरान खान लगातार सड़कों पर मार्च कर रहे हैं । उन्होंने रावलपिंडी से लेकर इस्लामाबाद तक आंदोलन कर दिया है।

चीन ने पाकिस्तान को पूरी तरह से आर्थिक रूप से गुलाम बनाकर अपना शिकंजा कस लिया है। पाकिस्तान की सरकार चीन के रहमों करम पर पूरी तरह से पलती आ रही है। चीन पाकिस्तान को अरबों डॉलर का कर्जा देकर उसे अपने गुलाम की तरह बना कर रख दिया है। पाकिस्तान की हुकूमत भले ही चाइना की जी हुजूरी करती आ रही है और उसके हां में हां मिलाती हो पर पाकिस्तानी जनता को न तो चीनी भक्ति पसंद है, ना चीन की कोई उपभोक्ता वस्तु ही पसंद है। पाकिस्तान की आवाम देश में चीन की मौजूदगी और उसकी कई परियोजनाओं से बेहद परेशान होकर आंदोलन के जरिए सड़क पर आ गई है। इसका जमकर विरोध किया जा रहा है। चीन द्वारा संचालित बेल्ट एंड रोड परियोजना पाकिस्तान की आवाम को फूटी आंख नहीं भा रही है। हाल ही में चीन ने पाकिस्तान के महत्वपूर्ण इलाके ग्वादर में एक परियोजना चला कर वहां जगह जगह पर चेकिंग चौकियां स्थापित कर दी है, जिससे पाकिस्तान की जनता को अनावश्यक चेकिंग की परेशानी को झेलना पड़ रहा है। पाकिस्तान में ग्वादर के इलाके में जहां पर चौकियां स्थापित की गई हैं पानी, बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं की भारी किल्लत हो गई और अवैध मछली पकड़ने से आजीविका पर खतरा आ गया है, जिस कारण आम जनता का जीना मुश्किल हो गया है, इसके विरोध में पाकिस्तान के दक्षिण पश्चिम बलूचिस्तान प्रांत के तटीय शहर ग्वादर में कोर्ट रोड के हवाई चौक पर कुछ राजनीतिक दलों, नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं, मछुआरों और संबंधित नागरिक कार्यकर्ताओं द्वारा विगत 1 सप्ताह से विरोध प्रदर्शन जारी कर दिया गया है। पाकिस्तानी अखबार जंग के अनुसार प्रदर्शन अनावश्यक सुरक्षा चौकियों को हटाने, पीने के पानी और बिजली की उपलब्धता बढ़ाने मकरान तट पर मछली पकड़ने वाली नौकाओं को हटाने और पञ्चगुर से ग्वादर तक ईरान के साथ सीमा को फिर से खोलने की मांग कर रहे हैं। एक समाचार के अनुसार अधिकार रैली के प्रमुख मौलाना हिदायतउर रहमान ने बताया कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जाती तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि यहां के निवासियों के लिए यह अपमानजनक है कि चौकियों पर उन्हें जगह–जगह रोका जाए और उनके पते, ठिकानों के बारे में सख्ती से पूछताछ की जाए,यह चीनी हरकत किसी भी तरह बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आंदोलन को अनवरत जारी रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार क्षेत्र में रहने वाले स्थानीय लोगों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रही है वह इसमें टालमटोल कर रही है ऐसी चीजें ना काबिले बर्दाश्त है जिसे किसी भी हद तक सहन नहीं किया जाएगा। क्षेत्र के लोगों ने ग्वादर के लोगों की बुनियादी समस्याओं का हल नहीं निकलने के कारण सरकार की किरकिरी हो रही है। मूलतः चीन की बलूचिस्तान में उपस्थिति पाकिस्तान के आवाम की बड़ी बेइज्जती ही मानी जा रही है। वह किसी भी स्थिति में इस चीनी नियंत्रण को बर्दाश्त करने की मंशा नहीं रखते हैं। गौरतलब है कि चीन की कई परियोजनाएं पाकिस्तान में वहां की जनता के विरोध के बावजूद चल रही है । बलूचिस्तान के कई क्षेत्रों में पाकिस्तान की जनता और इमरान सरकार के नुमाइंदों के बीच खुलकर विरोधाभास दिखाई देने लगा है। पाकिस्तान सरकार के हाथ चीन के खिलाफ कोई भी कार्रवाई करने से हाथ बंधे हुए हैं चीन का पाकिस्तान पर इतना ज्यादा कर्जा है कि पाकिस्तान एक तरह से चीन का आर्थिक गुलाम हो चुका है और वह कहीं से भी चीन का विरोध करने की स्थिति में नहीं है ऐसे में आम जनता शरीफ सरकार को बर्खास्त करने के लिए सड़क में उतरने की योजना बना रही है। यह तो विदित है पाकिस्तान मैं शरीफ सरकार के खिलाफ वहां का पूरा मीडिया विपक्षी दल एकजुट होकर शरीफ सरकार को अपदस्थ कर चुनाव कराने या नए प्रधानमंत्री की तलाश कर रहा है,यह पूरी संभावना बन रही है कि आने वाले समय में सरकार को अपदस्थ कर चुनाव की घोषणा की जाएगी। कुल मिलाकर सरकार के खिलाफ आवाम, मीडिया, विपक्षी दलों की विरोधी कार्रवाइयों के चलते पाकिस्तान की स्थिति बहुत ज्यादा नाजुक एवं खराब है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पाकिस्तान अलग–थलग पड़ गया है, केवल चीन ही उसके साथ है। ऐसी स्थिति में पाकिस्तानी सरकार का चलना नामुमकिन दिखाई दे रहा है। **—संजीव ठाकुर**

विपक्षी मोर्चा के संयोजक होंगे नीतीश!

अगर देश भर की विपक्षी पार्टियों का मोर्चा बनता है, जिसकी कोशिश बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कर रहे हैं और उनके साथ साथ कुछ और नेता इस आइडिया को आगे बढ़ा रहे हैं तो उसकी कमान किसके हाथ में रहेगी? विपक्षी पार्टियां अभी इस बारे में बात नहीं कर रही हैं। उनका कहना है कि एक बार गठबंधन बन जाए तो यह भी तय कर लेंगे कि उसका नेता कौन होगा। सबको पता है कि विपक्ष का नेता कौन होगा यह तय करना आसान नहीं है। लेकिन विपक्षी गठबंधन का संयोजक या समन्वयक तय करना ज्यादा मुश्किल नहीं होगा। बिहार के जनता दल यू और राजद नेताओं का कहना है कि गठबंधन का नेता चुनने का मतलब यह है कि अगर लोकसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन जीते तो प्रधानमंत्री कौन होगा पर संयोजक या समन्वयक का मतलब है कि चुनाव तक सभी पार्टियों को साथ लाने और उनके बीच सीटों का तालमेल कराने वाला व्यक्ति। जरूरी नहीं है कि वह व्यक्ति गठबंधन का नेता या प्रधानमंत्री पद का दावेदार हो। नीतीश कुमार वह व्यक्ति हो सकते हैं। ध्यान रहे पहले जब भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए बना था तब लंबे समय तक किसी न किसी प्रादेशिक पार्टी का नेता ही उसका संयोजक होता था। जॉर्ज फर्नांडीस से लेकर चंद्रबाबू नायडू और शरद यादव तक संयोजक रहे लेकिन इनमें से कोई न कोई प्रधानमंत्री का दावेदार था और न प्रधानमंत्री बना। सवाल है कि क्या नीतीश कुमार उसी तरह की भूमिका अपने लिए चाहते हैं? बताया जा रहा है कि नीतीश अभी अनौपचारिक रूप से और विशुद्ध रूप से अपनी पहल पर विपक्षी पार्टियों को साथ लाने का प्रयास कर रहे हैं। अगर इस प्रयास को औपचारिक रूप दिया जाता है यानी मोर्चा बन जाता है तो एक कोऑर्डिनेटर की जरूरत होगी। क्योंकि उसके बाद सभी नेताओं के सात तालमेल करना, भाजपा के साथ वन ऑन वन इलेक्शन बनाने के लिए सीटों की एडजस्टमेंट के बारे में बातचीत करना और साझा न्यूनतम कार्यक्रम तय करने के लिए एक सिस्टम चाहिए होगा। वह सिस्टम नीतीश के नेतृत्व में बन सकता है। बताया जा रहा है कि सभी विपक्षी नेताओं के साथ एक दौर की वार्ता के बाद बिहार में सबको इकट्ठा किया जाएगा। देश की तमाम भाजपा विरोधी पार्टियों की बैठक बिहार में होगी। उस बैठक में नीतीश कुमार को विपक्षी मोर्चा का कोऑर्डिनेटर बनाया जा सकता है। पद का नाम कोऑर्डिनेटर यानी समन्वयक या कन्वेनर यानी संयोजक में से कुछ हो सकता है। नीतीश की पार्टी जनता दल यू के नेताओं को उम्मीद है कि उनको विपक्षी मोर्चा की कमान मिलने से नीतीश का कद बढ़ेगा और वे सर्वमान्य राष्ट्रीय नेता माने जाएंगे। पार्टी को कई राज्यों में इसका फायदा मिलेगा। बिहार के साथ साथ झारखंड में भी जदयू को अपनी ताकत बढ़ानी है। अगर नीतीश को राष्ट्रीय नेता माना जाता है तो बिहार के बाहर पार्टी की पहचान मजबूत होगी। चुनावी लाभ भी हो सकता है।

आरएमएल में अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग दिवस के उपलक्ष्य चला हस्ताक्षर अभियान

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग दिवस के उपलक्ष्य में डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में नर्सो के सम्मान मिशन निरामयः के तहत हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। जिसमें कार्यक्रम का शुभारम्भ संस्थान की निदेशक प्रो. सोनिया नित्यान्नद एवं मुख्य नर्सिंग अधिकारी प्रो. डीके श्रीवास्तव चेयरमैन कालेज ऑफ नर्सिंग द्वारा किया गया। वहीं संस्थान की निदेशक प्रो. सोनिया नित्यानन्द द्वारा फ्लोरेंस नाईटिंग के जीवनी पर संक्षिप्त विवरण देते हुए मरीजों के देखभाल में नर्सिंग के उत्तरदायित्वों के बारे में उन्होंने नर्सिंग स्टाफ को फ्लोरेंस नाइटिंगेल के जीवनी से प्रेरणा के लिए प्रेरित किया साथ ही अच्छे कार्य को सैलुट किया।

उन्होंने बताया कि अपने संस्थान के रोगियों के साथ हमें दूसरे चिकित्सा संस्थानों से उच्च दर्जे का व्यवहार स्थापित करना है साथ ही उन्होंने बीएससी नर्सिंग विद्यार्थियों को बधाई देते हुए अच्छे कार्य लिए प्रेरित किया। प्रो.सोनिया नित्यानंद ने बताया की नर्सिंग प्रोफेशन मरीजों के प्रति करूणा एवं प्रेम से जुड़ी एक कड़ी है,कोविड के दौरान समस्त नर्सिंग स्टाफ सराहनीय कार्य किया है। इसके तत्पश्चात प्रो. नुजहत हुसैन ने अपने संबोधित करते हुए बताया कि नर्सिंग स्टाफ से मरीज एवं मरीज के तीमारदार की बहुत उम्मीदे जुड़ी रहती है। उन्होंने नर्सिंग स्टाफ को इलाज के दौरान गुणवत्ता बनाये रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नर्सिंग स्टाफ को अपने ज्ञान और कार्य क्षमता को बढ़ाने के लिए आगे की पढ़ाई को जारी रखने की आवश्यकता है। वहीं संस्थान के चिकित्सा अधीक्षक प्रो. विक्रम सिंह ने समस्त नर्सिंग संवर्ग को बधाई देते हुए बताया कि प्रत्येक भारतीय को नर्सिंग स्टाफ का सम्मान करना चाहिए। नर्सिंग संवर्ग को अपने मरीजों के देख. रेख में गुणवत्ता बनाये रखना है और इसे सुधार की जरूरत है। उन्होंने सुझाव दिया कि अन्तर्राष्ट्रीय नर्सिंग दिवस की भॉति राष्ट्रीय नर्सिंग दिवस को मनाये जाने की आवश्यकता है। सभी नर्सिंग स्टाफ को अपने प्रोफेशन के अलावा प्रशासनिक कार्य में भी अभिरूचि दिखानी चाहिए। सीनियर नर्सिंग स्टाफ को अपने से जूनियर नर्सिंग स्टाफ को मरीजों के देख रेख सम्बन्धित समय.समय पर उचित सुझाव देना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में निदेशक द्वारा संस्थान में कार्यरत अधिकारियों, कर्मचारियों, नर्सिंग, विद्यार्थियों को इनके अच्छे कार्यो के लिए पुरस्कृत किया।

डायरिया से बच्चे की मौत,पीलिया और टाइफाइड के रोगी भी बढ़े

कानपुर। कानपुर में गर्मी बढ़ते ही समर डायरिया का हमला तेज हो गया है। शनिवार को एक बच्चे की डायरिया से मौत हो गई। कुछ बच्चों को हैलट के बाल रोग अस्पताल में भर्ती किया गया है। हैलट ओपीडी और निजी डॉक्टरों की क्लीनिकों में भी रोगियों की संख्या बढ़ गई है। समर डायरिया के साथ, पीलिया और टाइफाइड के रोगी बढ़ रहे हैं। डायरिया की चपेट में सबसे अधिक बच्चे हैं।

नवजात शिशु फोरम के अध्यक्ष डॉ. जेके गुप्ता का कहना है कि इसमें एक साल से तीन साल के बच्चे अधिक हैं। आठ–दस दस्त के बाद बच्चों को सीनियर डिहाइड्रेशन हो जा रहा है। रावतपुर के रहने वाले रजनीश ढाई साल के बेटे के साथ दो दिन पहले वह सीवान से लौटे थे। बच्चे को बुखार आया, उल्टियां हुईं और दस्त आने लगे। कल्याणपुर के निजी अस्पताल लेकर गए तो हैलट रेफर कर दिया। बाद में बच्चे की मौत हो गई।फोरम के अध्यक्ष डॉ. गुप्ता ने बताया कि जो ग्रूप लगने के बाद बच्चों को वायरल संक्रमण हो जा रहा है। वह बहुत तेजी से फैल रहा है।

अयोध्या नगर निगम चुनाव में जीत हांसिल करने के बाद महंत गिरीशपति त्रिपाठी

अयोध्या नगर निगम पर भाजपा का कब्जा बरकरार

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अयोध्या। नगर निगम अयोध्या के महापौर पद पर भाजपा प्रत्याशी गिरीशपति त्रिपाठी ने बड़ी जीत दर्ज करते हुए भाजपा का कब्जा बरकरार कर दिया है। अयोध्या नगर निगम के भाजपा महापौर प्रत्याशी महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी आशीष पांडे दीपू को 35625 मतों से विजय दर्ज की है, भाजपा प्रत्याशी को 77456 और सपा प्रत्याशी को 41831 मत प्राप्त हुए हैं। अयोध्या नगर निगम में 60 पार्षदों में से 27 भारतीय जनता पार्टी, 17 समाजवादी पार्टी, 10 निर्दल, 3 बहुजन समाज पार्टी, एक आम आदमी पार्टी, एक पीस पार्टी और एक रालोद प्रत्याशी विजयी हुए हैं। नगर निगम का महापौर चुने जाने के बाद गिरीश पति त्रिपाठी ने अयोध्या का विकास उसकी गरिमा के अनुरूप करने का वादा किया। कहा कि संवेदनशील, जिम्मेदारी व जवाबदेही युक्त नगर निगम की सरकार होगी। जनता की समस्याओं के निस्तारण के लिए दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। तत्काल उनकी समस्याएं दूर हों ऐसी व्यवस्था बनाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि जहां की निगरानी स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कर रहे हों, वहां की व्यवस्थाएं सर्वोत्तम होनी चाहिए। अयोध्या विश्व की सबसे सुंदर नगर होगी ऐसा हमारा प्रयास होगा। एक सवाल के जवाब में कहा कि जग गर्भगृह में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी तो महापौर के रूप में मैं भी साक्षी बनूंगा यह सोचकर ही अपार खुशी हो रही है। उन्होंने सीएम योगी की तुलना आज के विक्रमादित्य से करते हुए कहा कि अयोध्या के विकास के लिए केंद्र व प्रदेश सरकार ने 34 हजार करोड़ की योजनाएं संचालित कर रखीं हैं। अयोध्या में रामराज्य की नींव पड़ चुकी है। इस कल्पना को साकार करने में नगर निगम भी अपनी भूमिकाएं पूरी प्रतिबद्धता से निभाएगा। जनता ने जो अपार स्नेह प्रदान किया है, उसके लिए हृदय से आभार। इसके पीछे भी श्रीराम की कृपा ही है। कहा कि अयोध्या की सेवा करने का अवसर मिलना बहुत ही सौभाग्य की बात है, क्योंकि यह हमारे आराध्य की नगरी है।

संक्षिप्त खबरे

पाली नगर पंचायत में इस बार सपा ने मारी बाजी

पाली,हरदोई। कड़े मुकाबले में पाली नगर पंचायत किस सीट पर सपा के रिजवान खान ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी निर्दलीय प्रत्याशी कमलाकांत बाजपेई को 935 मतों से पराजित कर जीत दर्ज की।पाली नगर की जनता दशकों से कभी कमलाकांत बाजपेई तो कभी रिजवान व इनके पिता पर अपना भरोसा जताती रही है इस बार भी वही हुआ कड़े मुकाबले में सपा के रिजवान खान ने 5342 वोट मिले जबकि निर्दलीय प्रत्याशी कमलाकांत वाजपेई को 4407 मत पाकर 935 वोटों से चुनाव हार गए वहीं तीसरे नंबर पर रहे भाजपा प्रत्याशी कुलदीप मिश्रा को 1292 वोटों से ही संतोष करना पड़ा।

कर्नाटक की जीत नफरत फैलाने वालों के खिलाफ जनादेश

हरदोई। जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी हरदोई द्वारा हरदोई कांग्रेस कार्यालय पर कर्नाटक में पार्टी की प्रचंड जीत पर कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया।आतिशबाजी करके कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने खुशी जाहिर की।जिलाध्यक्ष आशीष कुमार सिंह सोमवंशी ने कहा कि कर्नाटक में पार्टी की प्रचंड जीत ने यह साबित कर दिया कि जनता राहुल गांधी जी के मोहब्बत के संदेश के साथ खड़ी हो रही है और नफर फैलाने वाली ताकतों को सबक सिखा रही है।हिमाचल प्रदेश की जीत के बाद अब जनता ने कर्नाटक में कांग्रेस पर भरोसा जताया है।जनता अब मंहगाई, बेरोजगारी आदि मुद्दों पर कांग्रेस के साथ खड़ी है।इस अवसर पर शहर अध्यक्ष जमील अहमद अंसारी, जिला उपाध्यक्ष साधू सिंह, शहर उपाध्यक्ष रवींद्र मिश्रा, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष निर्भान सिंह यादव, महिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता देवी, पूर्व जिला मीडिया प्रभारी भुट्टो मियां, शहर महासचिव भुवनेश प्रताप सिंह, शहर महासचिव शिवकुमार राठौर, जिला सचिव राजेश पाण्डेय, शहर कोषाध्यक्ष महताब अहमद, जिला सचिव इस्लाम गाजी, वार्ड अध्यक्ष अनूप दीक्षित, शहर कांग्रेस सचिव संजय कुमार, आदि कार्यकर्ता साथी व पदाधिकारी मौजूद रहे।

विजय जुलूस नहीं निकालने दिया गया,सार्वजनिक आतिशबाजी पर भी लगाई रोक

कानपुर। कानपुर कमिश्नरी पुलिस के संयुक्त पुलिस आयुक्त आनंद प्रकाश तिवारी ने आदेश जारी किए थे कि पुलिस कमिश्नरेट के किसी भी थाना क्षेत्र में विजयी प्रत्याशी द्वारा कोई विजय जुलूस नहीं निकाला जाएगा। साथ ही सार्वजनिक आतिशबाजी पर भी रोक लगाई है। सभी थाना प्रभारियों को जिम्मेदारी दी गई है कि वह यह सुनिश्चित करें कि कहीं भी विजय जुलूस का नहीं निकाला जाए। यदि कोई भी इसका उल्लंघन करता है, तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाए। जेसीपी के इस आदेश से पहले तक शनिवार को बड़ी संख्या में जीते हुए पार्षद प्रत्याशी गाजे–बाजे के साथ अपने क्षेत्रों की ओर रवाना हो गए थे। हालांकि उच्चाधिकारियों के आदेश के बाद स्थानीय पुलिस अपने क्षेत्र में आने वाले वार्ड प्रत्याशियों के पहुंचने पर जुलूस और आतिशबाजी ना होने के लिए हरकत में आ गई।विजय प्रत्याशी जीत के बाद प्रमाण पत्र लेकर सीधे अपने निवास को रवाना किये गए।

बुजुर्ग का सड़क किनारे खून से लथपथ मिला शव , हत्या की आशंका

बछरावां,रायबरेली। बछरावां महाराजगंज रोड पर रामपुर मोहिद्दीनपुर गांव के पास सड़क के किनारे 65 वर्षीय वृद्ध का खून से लथपथ शव मिलने से हड़कंप मच गया । पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है । साथ ही फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए हैं ।

शनिवार सुबह 6:00 बजे गांव से बाहर रोड के किनारे ग्रामीणों ने 65 वर्षीय अज्ञात बुजुर्ग का शव देखा । घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया । ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस को दी । मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर शिनाख्त के प्रयास किए हैं। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंच कर साक्ष्य जुटाए हैं । मृतक वृद्ध की पहचान राम मनोहर अवस्थी निवासी रुचि खंड थाना आशियाना जनपद लखनऊ के रूप में हुई है ।

मृतक राम मनोहर अपने छोटे बेटे अनुराग अवस्थी के साथ लखनऊ में रहता था । जिसके चलते उसके बड़े बेटे राजेंद्र अवस्थी व छोटे बेटे अनुराग के बीच अनबन का मामला प्रकाश में आया है । मृतक खोर थाना मिल एरिया जनपद रायबरेली का मूल निवासी है । थानाध्यक्ष बृजेश राय ने बताया शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है । मृतक के छोटे बेटे ने आशियाना थाने में संबंधित मामले के तहत शुक्रवार को तहरीर दी थी । छोटे बेटे अनुराग के मुताबिक मृतक 11 मई को बड़े बेटे राजेंद्र के साथ घर से निकला था । जब वह 12 मई तक वापस नही लौटे तो मामले की सूचना आशियाना पुलिस को दी । मामले की तफ्तीश की जा रही है । तहरीर मिलने पर आगे की विधिक कार्यवाही की जाएगी ।

सड़क हादसे में मजदूर की मौत

लखनऊ । थाना गोमतीनगर विस्तार में सड़क हादसे में घायल मजदूर की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल से विभूतिखंड थाने को एक मेमो भेजा गया। जिसमें बताया गया कि 12 मई की रात को जीत बहादुर उम्र 35 पुत्र शिवाधार निवासी ग्राम जिन्ना पुरवा थाना थानगांव जनपद सीतापुर इस चिकित्सालय में घायल अवस्था में लाया गया। जहां उपचार के दौरान शनिवार की सुबह मौत हो गई। सूचना पर एसआई विवेक कुमार चौधरी ने मौके पर पहुंचकर कानूनी कार्रवाई की। जिनके द्वारा बताया गया कि जीत बहादुर शहीद पथ सीएमएस स्कूल के पास से घायल अवस्था में उपचार के लिए लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक मजदूरी करता था और पांच बच्चे हैं।

जनता ने लालगंज की कमान सौंपी कांग्रेस को

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लालगंज,रायबरेली। लालगंज नगर पंचायत के चेयरमैन और सभासद प्रत्याशियों के बाबत मतगणना शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न गई है। कांग्रेस की चेयरमैन प्रत्याशी सरिता गुप्ता पत्नी इंजीनियर दीपेंद्र गुप्ता ने भाजपा नेता शिव प्रकाश पांडे की पत्नी उमा पांडे को 1258 मतों से हराकर चेयरमैन पद हेतु सफलता प्राप्त की है। कांग्रेस प्रत्याशी सरिता गुप्ता को 5136 मत मिले हैं । वहीं भाजपा प्रत्याशी उमा पांडे को 3878 मत ही प्राप्त हुए हैं जिसके चलते वह चुनाव हार गई है। कांग्रेस की सरिता गुप्ता के चुनाव जीतने से लालगंज में संगठन को संजीवनी मिल गई है। चेयरमैन पद पर हुई जीत से निश्चित रूप से उनका मनोबल बढ़ेगा।वही सभासद प्रत्याशियों में वार्ड नंबर 1 डोमाही से सीमा गब्बर ने अपनी नजदीकी प्रतिद्वंदी भाजपा की रंजीता को 23 मतों से पराजित किया ।वार्ड नंबर 2 चमनगंज से कृष्णावती ने सुनीता देवी को 171 वोटों से पराजित किया। वार्ड नंबर 3 कृष्णा नगर से नसरीन बानो ने अपनी निकटतम प्रतिद्वंदी रागिनी यादव को 8 वोटों से पराजित किया है।वार्ड नंबर 4 महेश खेड़ा से राकेश निर्मल को 431 मत प्राप्त हुए ,वही राजेंद्र पेंटर को 229 मत प्राप्त हुए। इस प्रकार राकेश निर्मल 102 वोट से जीतने में सफल हुए। वार्ड नंबर पांच पूरे बाबा से सीमा देवी ने रामदुलारी मौर्य को 17 वोटों से हराकर सभासद बनने में सफलता हासिल की। वार्ड नंबर 6 सूदन खेड़ा आचार्य नगर से बबलू तिवारी ने वर्तमान सभासद हरीश त्रिपाठी को 140 वोटो से हराकर सभासद पद पर विजय हासिल की है।वार्ड नंबर7 पान दरीबा से अफसरी बानो ने साबरा बानो को 30 मतों से पराजित कर सफलता हासिल। वार्ड नंबर 8 चिकवाही से रविंद्र सोनी ने अपने नजदीकी प्रत्याशी फरीद अहमद को 30 वोटों से पराजित कर विजय हासिल की। वार्ड नंबर 9 कोरिहाई से दीपक मिश्रा ने वर्तमान सभासद राजकुमार को 300 वोटों से हराकर जबरदस्त जीत हासिल की है ।वार्ड नंबर 10 अलीनगर से नसीम कुरैशी ने सतीश महाजन को 88 वोटों से पराजित कर पहली बार सभासद बनने की महारत हासिल की। वार्ड नंबर 11 पूरे देवी से अतुल शर्मा ने मोनू को 104 वोटों से हराकर सभासद पद पर जीत हासिल की है। वार्ड नंबर 12 श्रीनगर घोसियाना से एक बार फिर राघवेंद्र सूर्यवंशी ने मोहम्मद जीशान को 135 वोटों से हराकर जीत हासिल की है।वार्ड नंबर 13 सदर बाजार से शशिधर सोनकर ने अर्पित गुप्ता को 74 वोटों से हराकर फिर से सफलता हासिल की है। इसी प्रकार वार्ड नंबर 14 नई बाजार से खुर्शीद अहमद ने अमरदेव साहू को 164 वोटों से हराकर विजय हासिल की है। वार्ड नंबर 15 सब्जी मंडी से वर्तमान सभासद रमेश गुप्ता ने आशुतोष पांडे को 19 मतों से हराकर फिर से जीत हासिल की है।

मालगाड़ी छोड़कर भाग गया चालक,घंटों बंद रही क्रासिंग,भीषण जाम लगा

कानपुर। कानपुर फर्रुखाबाद रेल रूट पर शनिवार सुबह ड्यूटी खत्म होने के बाद चालक कल्याणपुर रेलवे स्टेशन पर मालगाड़ी छोड़कर चला गया। इसकी वजह से कल्याणपुर, गूबा गार्डन और बगिया क्रासिंग पर भीषण जाम लग गया। करीब एक घंटे बाद दूसरे चालक को बुलाकर मालगाड़ी को रवाना किया गया तब जाकर रेलवे क्रासिंग खुल सकी।फर्रुखाबाद से कानपुर आ रही मालगाड़ी के चालक की ड्यूटी खत्म हो गई जिसके बाद उसने मालगाड़ी को कल्याणपुर रेलवे स्टेशन पर खड़ा कर दिया और चला गया। इस दौरान कल्याणपुर,गूबा गार्डन और बगिया क्रासिंग एक घंटे तक बंद रही। जिससे क्रासिंग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई भीषण गर्मी में लोग पसीने से तरबतर हो गये।इस दौरान कुछ लोगों ने बीच से ही वाहनों को मोड़ने का प्रयास किया तो जाम लंबा खिंचता चला गया। करीब एक घंटे बाद दूसरे चालक को बुलाकर मालगाड़ी को अनवरगंज की ओर रवाना किया गया तब जाकर तीनों रेलवे क्रासिंग खुल सकीं।

बाइक चुराकर अलग–अलग पार्ट्स करके बेचने वाला गिरफ्तार

लखनऊ। थाना गोमतीनगर पुलिस टीम दो पहिया वाहन चोर कर उसके पार्ट्स को अलग अलग कर बेचने वाला शातिर अभियुक्त गिरफ्तार किया है। साथ ही उसके पास से बड़ी संख्या में दो पहिया वाहन के पार्ट्स भी बरामद किया है।प्रभारी निरीक्षक दिनेश चंद्र मिश्र ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा मोटर साइकिल चोरी कर उसके पार्ट को अलग अलग कर बेचने वाला अभियुक्त विशाल कुमार निषाद उर्फ बाबू को डाक्टर एन तहिलयानी अस्पताल विकासखण्ड के तरफ जाने वाले मार्ग पर बने शिवाजी पार्क के सड़क किनारे से गिरफ्तार किया गया है। विशाल ग्वारी गांव गोमतीनगर में किराये पर रहता है तथा मूलपता ग्राम गुढईया मंगलमेला सोहयइनपुरा थाना कैसरगंज जनपद बहराइच है।

प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि 11मई को वादी यश मिश्रा पुत्र अनुज कुमार मिश्रा निवासी विरामखंड एक मुकदमा दर्ज कराया था। जिसमें अज्ञात व्यक्ति ने वादी के घर के गेट के पास से मोटरसाइकिल कर लिया था। पुलिस इस मामले की जांच कर रही थी कि मुखबिर से सूचना मिली कि चोरी गये वाहन को एक व्यक्ति द्वारा केनरा बैंक चौराहा पर डाक्टर एन तहिलयानी अस्पताल विकासखण्ड के तरफ जाने वाले मार्ग पर बने शिवा जी पार्क के सड़क किनारे दो सफेद रंग की बोरी में उसके पार्टस कुछ सामान के साथ खड़ा है।

अगर जल्दी किया जाये तो पकड़ा जा सकता है। इस सूचना पर मौके पर जाकर चेक किया गया तो चोरी के वाहन के सभी पार्ट्स अलग अलग खुले हुए दो बोरी में पाये गये। अभियुक्त विशाल कुमार निषाद उर्फ बाबू को पुलिस ने दबोच लिया।

भाजपा प्रत्याशी प्रमिला पांडेय दूसरी बार मेयर बनी,सपा प्रत्याशी को भारी मतों से हराया

कानपुर। महापौर पद पर भाजपा प्रत्याशी प्रमिला पांडेय दूसरी बार मेयर बनी हैं। उन्होंने समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी वंदना बाजपेई को 176577 वोटों से हराया। भाजपा कार्यकर्ता खुशी से झूम उठे। मेयर पद पर बड़ी जीत के बाद भाजपा संगठन ने द केरला स्टोरी देखने का ऐलान किया। संगठन के सभी बड़े पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। वहीं देर शाम भाजपा के क्षेत्रीय कार्यालय पहुंची प्रमिला पांडेय को क्षेत्रीय अध्यक्ष ने जीत की बधाई दी और मिठाई खिलाई। शनिवार को नौबस्ता नवीन मंडी समिति में बने मतगणना स्थल पर सुबह आठ सबसे पहले पोस्टल बैलेट की गिनती की गई। जिसमें कांग्रेस और भाजपा में टक्कर रही। इसके बाद ईवीएम में मतों की गिनती शुरू हुई। पहले राउंड से ही भाजपा प्रत्याशी प्रमिला पांडेय बढ़त बनाए रहीं। दोपहर 12 बजे तक भाजपा के 3,सपा के 3 और निर्दलीय 1 प्रत्याशी की जीत हुई। मतगणना के लिए कुल 160 टेबल लगाई गईं थी। जिसमें 80 महापौर और 80 पार्षद प्रत्याशियों के लिए लगी थी। पांच टेबल नगर पंचायत बिठूर के लिए लगाई गई थी। लेकिन हर चक्र की मतगणना में भाजपा मेयर पद की प्रत्याशी कांग्रेस,सपा और बसपा से लगातार बढ़त बनाये रही। जीत हासिल करने वाला सपा प्रत्याशी फूट–फूटकर रोयाकानपुर में बेगमपुरवा वार्ड में जीत हासिल करने वाला सपा पार्षद प्रत्याशी अकील शानू फूट–फूटकर रोया। जानकारी के अनुसार, जैसे ही अकील को जीत की सूचना मिली, तो उसे विश्वास ही नहीं हुआ। इसके बाद वो जोर–जोर से रोने लगा। अकील ने यह चुनाव वार्ड 102 से जीता है। बताया जा रहा है कि अकील पिछले 15 सालों से जीत के लिए संघर्ष कर रहा था।

यूपी में बन गया बीजेपी का ट्रिपल इंजन

योगी का चेहरा, माफियाराज के खात्मे से मिली प्रचण्ड जीत

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में बीजेपी के साथ ट्रिपल इंजन जुड़ गया। सीएम योगी आदित्यनाथ का चेहरा और माफिया राज पर चोट से प्रदेश के सभी नगर निगमों में भाजपा ने क्लीन स्वीप कर दिया। साथ ही नगर पालिका परिषद एवम नगर पंचायतों में भी बीजेपी को बड़ी जीत मिली है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने निकाय चुनाव की पूरी कमान अपने हाथों में रखी थी। बूथ स्तर पर माइक्रो मैनेजमेंट तयार करते हुए अपने सभी सहयोगियों को इस चुनाव में लगाया। खुद ही 50 से अधिक सभाएं कर माहौल बदला। इस दौरान उन्होंने कानून व्यवस्था एवम माफिया राज पर करारा प्रहार किया। इसकी तुलना उन्होंने पूर्व की सरकारों से किया। इस दौरान एक नारा भी हिट हुआ,,ना कर्फ्यू न दंगा ,, यूपी में सब है चंगा। लोकल मुद्दों से दूरी बरकरार रखा।साथ ही भाजपा संगठन भी प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी की अगुवाई में लगा रहा। हर कार्यकर्ता को इस चुनाव में लगाया गया। वही टिकट वितरण में भी जातीय समीकरण को ध्यान रखा गया। बागी नेताओं पर कार्यवाही भी हुई। विरोधी दलों के नेताओ को पार्टी में शामिल कराते हुए उन्हें चुनाव मैदान में उतारा गया। कई मुस्लिम नेताओ को भी इस बार चुनाव मैदान में उतारा गया।पिछले निकाय चुनाव में बीजेपी ने 16 मेयर में 14 पर जिताया था, दो पर बीएसपी को सफलता मिली थी। इस बार बीजेपी सभी 17 मेयर सहित बड़े पैमाने पर निकायों में कब्जा कर विपछ को चित्त कर दिया। इससे योगी का कद और बड़ गया,। साथ ही कार्यकर्ताओं में हौसला बढ़ जाएगा। इससे मिशन 2024 की राह बीजेपी के लिए आसान होगी।

उप चुनाव मे मिली जीत

रामपुर की स्वार एवम मिर्जापुर की छेनबे सीट भी बीजेपी की सहयोगी अपनादल ने जीत ली। यह भी सपा को झटका लगा है। निकायों में आप की इंट्री आम आदमी की पार्टी की दिल्ली और पंजाब के बाद अब यूपी में भी इंट्री हो गई है। रामपुर नगर पालिका परिषद में आप की सना राजपूत चेयरमैन चुनी गई। इसी तरह कौशांबी , बदायू, अमेठी, बुलंदशहर, फिरोजाबाद कन्नौज सहित कई जिलों में आप प्रत्याशी को जीत मिली है। इससे यह साफ हो गया है कि 2024 में भी आप यूपी में दमदारी से उतरेगी। सपा बसपा को करारा झटका इस निकाय चुनाव में सपा बसपा तगड़ा झटका लगा है। बीएसपी पिछले चुनाव में दो मेयर जीतने में सफल रही लेकिन इस बार बोल्ड हो गई। जबकि बीएसपी ने 65 फीसदी मुस्लिम नेताओ पर दांव लगाया था। बीएसपी मुखिया मायावती इस चुनाव में कही प्रचार करने नही गई। दूसरे लाइन के नेताओ के भरोसे चुनाव छोड़ दिया था।सपा भी निकाय चुनाव में खास नही कर पाई। पहले चरण में सपा मुखिया अखिलेश यादव घर से बाहर नहीं निकले। दूसरे चरण में जरूर पश्चिम के कुछ जिलों में सभाएं और रोडशो किया। उपचुनाव में भी सपा हर गई। इसी के साथ रामपुर में आजम खां असर फीका पड़ रहा है। सपा बसपा की हर का मुख्य कारण मुस्लिम मातो का बिखराव ही रहा।

कुमारगंज नगर पंचायत अध्यक्ष का चुनाव जीतने के बाद सपा प्रत्याशी विकास सिंह छोटू

कुमारगंज नगर पंचायत अध्यक्ष पर सपा ने जमाया कब्जा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

मिल्कीपुर–अयोध्या। कुमारगंज नगर पंचायत अध्यक्ष पद का चुनाव सपा प्रत्याशी विकास सिंह ने 1267 मतों से निर्दल प्रत्याशी अग्गू भैया को शिकस्त देकर जीत हांसिल की। मतगणना में सपा के विकास सिंह उर्फ छोटू को 2579, निर्दल विजय कुमार उपाध्याय अग्गू भैया को 1312, निर्दल राज बहादुर उर्फ राजन पांडे को 1188, भाजपा के चंद्रबली सिंह को 954, आजाद समाज पार्टी के कमलेश यादव को 686, बसपा की सीता सिंह को 375, आप के प्रशांत उपाध्याय दीपू को 580, कांग्रेस के विजय पाल को 361, रालोद की आभा सिंह 138, निर्दल, अजय भान सिंह 172, निर्दल अयूब 16, निर्दल नवीन 04, निर्दल बैजनाथ वैश्य को 558, निर्दल लल्लन पाण्डेय 279, निर्दल शकील को 43 व नोटा और अवैध– 184 मत प्राप्त हुए। कुमारगंज नगर पंचायत के चुनाव के लिए राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय मुंगीशपुर में भारी अव्यवस्थाओं के बीच सुबह 8:00 बजे मतगणना शुरू हुई। आरओ द्वारा दोपहर लगभग 12:00 बजे पहले चरण का रुझान घोषित किया गया। शाम साढ़े चार बजे तक दूसरे राउंड की मतगणना का रुझान नहीं घोषित किया जा सका। हालांकि मतगणना स्थल पर कुमारगंज चुनाव में भाजपा की छीछालेदर ही दिखाई पड़ी। लोगों का कहना है कि यदि भाजपा ब्राह्मण चेहरे पर दांव लगाती तो भाजपा के लिए अच्छा रहता। वहीं भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी चंद्रबली सिंह नंबर पांच पर पहुंच गए। वहीं सपा उम्मीदवार विकास सिंह छोटू पहले राउंड की मतगणना में आगे बढ़े तो आखिरी तक बढ़ते ही गए। वहीं कुमारगंज नगर पंचायत में सभासद चुनाव की बात करें तो कांग्रेस पार्टी ने सभासद के लिए अच्छा प्रदर्शन किया। यहां तीन सभासद कांग्रेस पार्टी के विजई हुए, जबकि सपा ने भी अपने तीन सभासद प्रत्याशियों को जिताने में कामयाबी हासिल की। वहीं भाजपा के मात्र दो सभासद प्रत्याशी ही जीते। इसके अलावां पांच निर्दल प्रत्याशी जीत हासिल करने में सफल रहे। हालांकि प्रशासन की ओर से मतगणना स्थल पर सुरक्षा को लेकर व्यापक इंतजाम किया गया था। चुनाव आयोग का सख्त निर्देश था कि पानी की बोतल मतगणना स्थल तक नहीं जानी चाहिए, फिर भी लोग आरओ टेबल और गिनती वाली टेबल तक पानी की बोतल लेकर पहुंच गए।

पार्षदों में भाजपा के 27, सपा के 17 समेत 10 निर्दलों ने मारी बाजी

अयोध्या। नगर निकाय चुनाव की मतगणना के बाद नगर निगम के सदन में सियासी दलों के प्रतिनिधित्व की तस्वीर साफ हो गई। निगम क्षेत्र की जनता ने भले ही महापौर पद की कुर्सी सत्ताधारी दल भाजपा के गिरीशपति त्रिपाठी के हाथों सौंपी हो लेकिन बहुमत भाजपा को नहीं दिया है। सदन में रालोद, पीस और आम आदमी पार्टी के एक एक पार्षद को चुनकर भेजा है तो कांग्रेस को सदन से बाहर ही रखा है। पार्षद पद की 27 सीट भाजपा, 17 सीट सपा और तीन सीट बसपा के खाते में गई है। निर्दलीय 10 सीटों पर कब्जा कर भाजपा और सपा के बाद सदन में तीसरी बड़ी ताकत बनकर उभरे हैं। पांच वर्ष पूर्व भाजपा के शासनकाल में अयोध्या और फैजाबाद नगर पालिका को मिलाकर शासन ने अयोध्या नगर निगम का गठन किया था। नगर निगम के पहले कार्यकाल के अंतिम वर्ष शासन की ओर से नगर निगम की सीमा का विस्तार किया गया था और देहात क्षेत्र के 41 गांवों को जोड़ने के बाद नगर निगम में कुल वार्डों की संख्या 60 कर दी गई थी। इस बार इन्हीं 60 वार्डों में पार्षद पद के लिए विभिन्न राजनितिक दलों की ओर से अपनी–अपनी पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी को मैदान में उतरा तथा तथा ईवीएम से मतदान कराया गया था। शनिवार को शहर के राजकीय इंटर कालेज परिसर में मतगणना कराई गई। मतगणना के बाद घोषित परिणाम की राजनितिक दलों के आधार पर समीक्षा में पता चलता है कि महापौर पद पर नगर क्षेत्र की जनता ने भाजपा प्रत्याशी को 35 हजार से ज्यादा मतों के अंतर से जिताया लेकिन भाजपा को सदन में पूर्ण बहुमत नहीं दिया। मतदाताओं ने भाजपा को 27, मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी को 17 तथा बहुजन समाज पार्टी को केवल तीन सीट पर विजय दी। वहीं राष्ट्रीय लोकदल, पीस पार्टी और आम आदमी पार्टी को एक–एक सीट पर विजय देकर निगम के सदन में कुर्सी सौंपी है तो पिछली बार सदन में कांग्रेस को एक सीट दी थी लेकिन इस बार कांग्रेस को सदन से बाहर का रास्ता दिखा दिया है।

कुम्भ नगरी में लगातार दूसरी बार खिला कमल

- भाजपा के गणेश केसरवानी ने मेयर चुनाव में रिकॉर्ड मतों से दर्ज की जीत
- योगी सरकार की नीतियों और कार्यो पर जनता ने जताया भरोसा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज । प्रयागराज में जनता ने एक बार फिर कमल खिलाकर योगी सरकार की नीतियों और कार्यों पर बड़ा भरोसा जताया है।

शनिवार को हुई नगर निकाय चुनाव की मतगणना में भाजपा के मेयर प्रत्याशी उमेशचन्द्र गणेश केशरवानी ने रिकॉर्ड मतों से जीत हासिल की है। गणेश केसरवानी को कुल 235675 वोट मिले। दूसरे नंबर पर रहे सपा प्रत्याशी अजय श्रीवास्तव ने 106286 मत हासिल किये। गणेश केसरवानी ने सपा प्रत्याशी को 129389 मतों से हराया। तीसरे नंबर पर कांग्रेस प्रत्याशी प्रभा शंकर मिश्रा को 40486 वोट मिले। बीएसपी प्रत्याशी सईद अहमद को चौथे नंबर पर रहे उन्हें 36799 मत किये हासिल किया। प्रयागराज की जनता ने यूपी की योगी सरकार पर एक बार फिर से अपना विश्वास जताया है । योगी सरकार की माफियाओं के खिलाफ जीरो टोलेरेंस की नीति और विकास कार्यों पर यकीन दर्ज करते हुए नगर निकाय के चुनाव में भाजपा के प्रत्याशी उमेश चन्द्र गणेश केशरवानी को जनता ने अपना आशीर्वाद प्रदान किया है। मुख्यमंत्री स्वयं 2 मई को

प्रयागराज में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में जन सभा करने आये थे और उन्होंने ट्रिपल इंजन की सरकार बनने के बाद विकास की गति भी तीन गुना करने की बात कही थी और कमल खिलाने की अपील की थी। जिसे जनता से सहर्ष माना है।

कुम्भ नगरी प्रयागराज में प्रथम नागरिक का ताज एक बार भाजपा के सर पर सजा है। शनिवार को मुंडेरा मंडी में सम्पन्न हुई मतगणना में भाजपा के प्रत्याशी उमेश चन्द्र गणेश केशरवानी ने 1,29,389 मतों से जीत दर्ज की है। 31 राउंड तक हुई मतगणना में गणेश केसरवानी को कुल 2,35,675 वोट मिले जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी अजय कुमार श्रीवास्तव को 1,06,286 मत प्राप्त हुए। कांग्रेस यहाँ तीसरे स्थान पर रही और उसके प्रत्याशी प्रभाशंकर मिश्रा को 40486 वोट मिले। बीएसपी प्रत्याशी सईद अहमद को चौथे स्थान पर रहे उन्हें 36,799 मत किये मिले। नगर निगम के चुनाव में कुल 4 लाख 94 हजार 344 वैध मतों की गणना की गई। प्रयागराज में भाजपा ने मेयर पद के लगातार दूसरी बार जीत हासिल की है। इसके साथ ही भाजपा की मेयर के लिए दर्ज हुई अब तक की प्रयागराज की यह सबसे बड़ी जीत है। इसके पहले पिछले चुनाव में भाजपा की प्रत्याशी अभिलाषा गुप्ता नंदी ने सपा के मेयर प्रत्याशी विनोदचंद्र दुबे को 63 हजार मतों से हराया था जबकि इस बार भाजपा के प्रत्याशी उमेश चन्द्र गणेश केशरवानी ने 1,29,389 मतों से जीत दर्ज की है जो अब तक की सबसे बड़ी जीत है।

निर्दल प्रत्याशी के समर्थकों ने किया बवाल, लगाया लीपापोती के आरोप

कुशीनगर। जनपद के नगर पंचायत छितौनी के अध्यक्ष पद का परिणाम घोषित होते ही दूसरे नंबर पर रहे निर्दल प्रत्याशी अशोक निषाद के समर्थकों ने प्रशासन पर लीपापोती का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। सैकड़ों की संख्या में मतगणना स्थल के बाहर एकत्रित महिला–पुरुष समर्थकों ने प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी शुरू कर दिया । बवाल बढ़ता देख पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर प्रदर्शनकारियों को शांत करने की कोशिश की मगर प्रदर्शनकारी उग्र हो गए और पुलिस पर ईंट–पत्थर चलाने लगे।

परिणामस्वरूप सिर पर चोट लगने से खड्डा के थानेदार अमित शर्मा घायल हो गए। उच्चाधिकारियों को इससे अवगत कराते हुए खड्डा व हनुमानगंज थाने के पुलिसकर्मियों ने सख्ती दिखाते हुए पथराव करने वालों को खदेड़ा। मामले की जानकारी होते ही डीएम रमेश रंजन, एसपी धवल जायसवाल वहां के लिए रवाना हो गए। आसपास के थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई है। इसके बाद सभी निर्दल प्रत्याशी अशोक निषाद व उनके समर्थक शान्त हुए और रिकाउन्टिंग के मांग करने लगे।

कर्नाटक की जीत पर कांग्रेसियों मनाया जश्न

लगाए जय बजरंग बली के नारे

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज । कर्नाटक के सामान्य विधानसभा चुनाव में मिली बंपर जीत के बाद कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गंगापार कांग्रेस के जिलाध्यक्ष सुरेश यादव के नेतृत्व में पटाखे फोड़कर और मिठाई बांटकर जीत की खुशी मनाई। शनिवार को कर्नाटक विधानसभा चुनाव में मिले भारी बहुमत के बाद कांग्रेस पार्टी के समर्थकों और कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। देशभर में कांग्रेस कार्यकर्ता आतिशबाजी कर और मिठाइयां बांटकर जीत का जश्न मना रहे हैं। वहीं सिविल लाइन्स स्थित धरना स्थल पर जुटे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पटाखे जलाए और मुंह मीठा करवाकर खुशियां मनाई। इस दौरान पार्टी नेताओं ने बजरंग बली के चित्र के साथ जयकारा भी लगाया। प्रदेश महासचिव विवेकानंद पाठक ने कहा की देश में भाजपा के नफरत के बाजार में राहुल गांधी की मोहब्बत की दुकान चल गई। कर्नाटक की जनता ने भाजपा की नफरत की राजनीति को सिरे से नकार दिया है। देश की जनता मोहब्बत चाहती है। आपस में भाईचारा चाहती है। भाजपा की नफरत की

राजनीति ज्यादा दिनों तक चलने वाली नहीं है। वहीं पार्टी नेता किशोर वार्ष्णेय और जिला प्रवक्ता हसीब अहमद ने भाजपा द्वारा चुनाव में बजरंग बली के नाम से राजनीति करने पर तंज कसते हुए कहा कि बजरंग बली भगवान हैं। उनके लिए सब राजनीतिक पार्टियां एक बराबर हैं। इस बार बजरंगबली ने कांग्रेस पार्टी को आशीर्वाद दिया है, जिसके चलते कांग्रेस ने कर्नाटक विधानसभा में बंपर जीत हासिल की है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में मिली बंपर जीत की खुशी मना रहे कांग्रेस कार्यकर्ता जश्न में बजरंगबली के जयकारे लगाकर जश्न मनाते हुए दिखाई दिए।

इस दौरान सुरेश यादव, विवेकानंद पाठक, किशोर वार्ष्णेय, हसीब अहमद, रजनीश विश्रामदास, शकील अहमद, विजय यादव, राकेश पटेल, मनोज पासी, शादाब अहमद, अभिन्न वार्ष्णेय, सियाराम मौर्या, शाहनवाज आलम, अजीत भारतीय, अभिषेक शुक्ला, धीरज विश्वकर्मा, अल्ताफ अहमद, मो०हसीन समेत आदि लोग मौजूद रहें।

संक्षिप्त खबरे

कंपनी बाग के भीतर महिला का सिर कूचकर हत्या

प्रयागराज। चंद्रशेखर आजाद पार्क स्थित मजार के पास शनिवार दोपहर 32 वर्षीय इरम आमिद सिद्दीकी का सिर कूचकर हत्या कर दी गई। कत्ल किसने और क्यों किया, यह अभी साफ नहीं हो सका है। कर्नलगंज पुलिस मामले की जांच कर रही है। अत्तरसुइया मालवीय नगर निवासी सादान असद की पत्नी इरम अपने बच्चे को जेठ के साथ स्कूल छोड़ने के लिए सिविल लाइंस गई थी। बच्चा सेंट जोसेफ स्कूल में यूकेजी का छात्र है। स्कूल की छुट्टी होने पर जब बच्चे को लेने के लिए कोई नहीं आया तो स्कूल से उसके पिता के पास फोन गया। इसके बाद इरम की खोजबीन शुरू हुई। कुछ लोग कंपनीबाग में स्थित मजार के पास पहुंचे जहां उसकी खून से लथपथ लाश देख हतप्रभ रह गए। इंस्पेक्टर कर्नलगंज राममोहन राय का कहना है कि अभी हत्या का कारण और कत्ल करने वालों के बारे में पता नहीं चल सका है। जांच की जा रही है। कर्नाटक में कांग्रेस की जीत भाजपा की नफरत के खिलाफः किशोर प्रयागराज (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रवक्ता किशोर वार्ष्णेय ने कर्नाटका में कांग्रेस की जीत को ऐतिहासिक बताया है। कहा कि जनता ने विकास की राजनीति को चुना और भ्रष्टाचार तथा सांप्रदायिक राजनीति को नकार दिया। कर्नाटक की हार को मोदी की हार बताते उन्होंने कहा कि राज्य में मोदी के चेहरा रख कर भाजपा ने चुनाव लड़ा था। मोदी द्वारा बुनियादी मुद्दों से ध्यान हटा बजरंग बली और केरला स्टोरी की चाल को मतदाताओं ने मुहतोड़ जवाब दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा 40: के खुले भ्रष्टाचार और निकम्मेपन के कारण बुरी तरह चुनाव हारी। 2024 में मोदी सरकार का जाना तय है।

उमेश चंद्र केसरवानी उर्फ गणेश केसरवानी का मेयर बनना सामान्य कार्यकर्ता का सम्मानः रजनीकांत श्रीवास्तव.

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी रजनीकांत एनजीओ प्रकोष्ठ के प्रांत सह संयोजक ने कहा कि प्रदेश नेतृत्व द्वारा कार्यकर्ता के प्रति जो निर्णय लिया गया आज कार्यकर्ताओं ने उस निर्णय पर शत प्रतिशत मोहर लगाने का कार्य किया। पार्टी के सम्मान में कार्यकर्ता थे मैदान में।

उन्होंने कहा कि सामान्य बूथ का कार्यकर्ता शीर्ष नेतृत्व तक पहुंच सकता है यह बातें सामान्य सी लगती होंगी लेकिन भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जो सिर्फ कार्य करती है। शीर्ष पदों पर अपने सामान्य कार्यकर्ताओं को बैठाने का काम करती है। संघर्ष किए हुए कार्यकर्ताओं को पूरा सम्मान देती है। नगर निगम के 17 मेयर के प्रत्याशियों में अधिकतम प्रत्याशियों का चयन सामान्य कार्यकर्ता का हुआ है। आज ऐसे सामान्य कार्यकर्ताओं ने विजयश्री प्राप्त करके अपने संघर्ष और भाजपा का मान और सम्मान बढ़ाने का काम किया है।

बधाई देने वालों में प्रमुख रूप से ओम प्रकाश मिश्र, वरुण गिरी, पार्थ श्रीवास्तव, नवीन शुक्ला, रविंद्र तिवारी, सुशील पांडे, ज्ञानेंद्र द्विवेदी, पवन श्रीवास्तव, विपुल कुमार श्रीवास्तव, अनूप कुमार श्रीवास्तव, कुमारी रिद्धि, मृत्युंजय कुमार, देवेश श्रीवास्तव आदि शामिल हैं।

अतीक अहमद के वार्ड में बीजेपी को मिली हार, 2000 वोटों से जीती सपा

प्रयागराज। नगर निगम के चुनाव में समाजवादी पार्टी को माफिया अतीक अहमद के वार्ड में जीत मिली है। प्रयागराज नगर निगम में माफिया अतीक अहमद का वार्ड 44 है, जिसमें समाजवादी पार्टी को जीत मिली है। इस वार्ड में समाजवादी पार्टी की उम्मीदवार जहां आरा को लगभग 2000 मतों के विशाल अंतर से विजयश्री मिली है। 44 नंबर वार्ड से बीजेपी ने सरिता हेला को अपना उम्मीदवार बनाया था लेकिन उन्हें सपा उम्मीदवार ने दो हजार से अधिक मतों से हराया है। जानकारी के मुताबिक कुछ दिनों पहले प्रयागराज में मारे गए अतीक अहमद का घर और ससुराल दोनों इसी वार्ड में है, ऐसे में इस जीत और सपा उम्मीदवार को लेकर कई मायने लगाए जा रहे हैं।

आपको बता दें कि शनिवार को यूपी में नगर निकाय चुनाव के मतों की गिनती की जा रही है। प्रयागराज सहित कई अन्य नगर निगमों में मेयर की लड़ाई में बीजेपी आगे चल रही है।

'एक्सप्रेस वे से तस्करी हो रही 30 लाख की शराब पकडी'

मथुरा। थाना मांट पुलिस ने यमुना एक्सप्रेस वे पर चेकिंग के दौरान आयसर कैन्टर में लदी हुई 202 पेटी अवैध दूसरे प्रान्त की अंग्रेजी शराब व 106 पैटी बीयर बरामद की है। बरामद शराब की अनुमानित कीमत करीब 30 लाख रुपये है। एक बाल अपचारी सहित दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक थाना मांट प्रदीप कुमार के मुताबिक यमुना एक्सप्रेस वे नोएडा से आगरा की तरफ आ रहे आयशर कैंटर नम्बर यूपी 85 एटी 4599 को चौकिंग के लिए रोका गया। कैंटर में लदीं शराब को पुलिस ने कब्जे में ले लिया। राजूलाल मीणा पुत्र कालूराम मीणा निवासी व्यास जी का बडला तहसील मांण्डलगढ थाना गंगरोप जिला भीलवाडा राजस्थान एवं एक अन्य बाल अपचारी को गिरफ्तार किया गया है।

ससुर को धमकाने पर दामाद पर मुकदमा

कौशाम्बी । कोखराज कोतवाली इलाके के एक गांव की किशोरी की शादी मंझनपुर क्षेत्र के एक गांव में हुई थी। शादी के बाद छोटी बहन का बड़ी बहन के घर आना जाना शुरू हो गया। साली के घर आने पर दामाद उससे एक तरफा प्रेम कर बैठा। मोबाइल पर आपत्तिजनक मैसेज और फोटो भेजना शुरू कर दिया। जानकारी होने पर पिता ने बेटी की शादी कर दिया। बेटी की शादी होने के बाद दामाद की हरकतों में सुधार नहीं हुआ। दो दिन पहले युवती के पिता के मोबाइल पर मैसेज भेजा कि वह उसकी बेटी का रिश्ता तुड़वा देगा। युवती का पिता मंझनपुर कोतवाली पहुंचा और शिकायत की। पुलिस ने पीड़ित पिता की तहरीर पर आरोपित के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर लिया है।

सिरसा में पहली बार खिला कमल

- शंकरगढ़ में पार्वती कोटार्य, मेजा में विपिन और मऊआइमा में शोएब अंसारी विजयी
- प्रयागराज की आठ नगर पंचायतों के परिणाम घोषित

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज । प्रयागराज के सिरसा नगर पंचायत में पहली बार कमल खिला है। यहां भाजपा प्रत्याशी विपिन केसरी उर्फ लखन ने 432 मतों के अंतर से अपने निकटतम प्रतिद्वंदी सपा के श्याम किशोर उर्फ पप्पू यादव को हराया है। विपिन केसरी उर्फ लाखन को 3277 और सपा के श्याम किशोर पप्पू यादव को 2846 मत मिले हैं। प्रयागराज में नगर पंचायत शंकरगढ़ मैं अध्यक्ष पद पर बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है। यहां निर्दलीय प्रत्याशी पार्वती कोटार्य विजयी घोषित हुईं। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा की अंजू देवी को 402 मतों के अंतर से हरा दिया है। नगर पंचायत हंडिया में सपा प्रत्याशी कुलसुम बीबी ने भाजपा प्रत्याशी जवाहर लाल जायसवाल को 1091 वोटों से करारी शिकस्त दी है।

कुलसुम को 5123 वोट मिले। समाजवादी पार्टी की इस जीत पर सपा समर्थकों में जबरदस्त उत्साह है। सपा प्रत्याशी कुलसुम बीबी इसके पहले नगर पंचायत हंडिया से एक बार चेयरमैन रह चुकी हैं, जबकि इनके पति निर्दलीय प्रत्याशी अहमद अंसारी हंडिया नगर पंचायत से दो बार चेयरमैन रह चुके हैं स भाजपा के प्रत्याशी जवाहर लाल जायसवाल की शुरुआत से ही सपा से सीधी टक्कर लगातार देखने को मिली, लेकिन इस बार नगर पंचायत हंडिया में सभी जातियों का भरपूर सहयोग सपा प्रत्याशी कुलसुम बीबी के साथ रहा, जिसके बलबूते पर उन्होंने नगर पंचायत हंडिया में दूसरी बार चुनाव जीतकर सपा का परचम लहराया स नगर भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी जवाहर लाल जायसवाल 4032 वोट मिले। कुलसुम बीबी को 5123 वोट मिला। बसपा प्रत्याशी रुस्तम शाह 1492 वोट पाए, कांग्रेस प्रत्याशी धर्मेंद्र जायसवाल 115 वोट तो वहीं आम आदमी पार्टी की प्रत्याशी हेमलता को केवल 71 वोट से ही संतोष करना पड़ा। मेजा के नवोदय विद्यालय में निकाय चुनाव की मतगणना के अंतिम दौर में भाजपा प्रत्याशी विपिन केसरी उर्फ लखन 432 मतों से अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी सपा के श्याम कृष्ण उर्फ पप्पू यादव को हराया।

शनिवार सुबह 8 बजे से शुरू हुई, जिसमें सिरसा नगर पंचायत के मतगणना के दौरान विपिन केसरी उर्फ लखन को 3277 और सपा के श्याम कृष्ण उर्फ पप्पू यादव को 2846 मत प्राप्त हुए। वहीं नगर पंचायत भारतगंज में फरा बेगम पत्नी आमिर शकील 2937 मत से विजेता घोषित की गई है। मऊआइमा में भाजपा के मोहम्मद आलम सपा के शोएब अंसारी से हार गए हैं।

अब आधार कार्ड के बिना परीक्षा नहीं दे पाएंगे छात्र

प्रयागराज । नकल माफिया और जुगाड़ से बोर्ड परीक्षा पास करने वालों के लिए बुरी खबर है। अब बोर्ड परीक्षा के लिए आधार अनिवार्य कर दिया गया है अर्थात बिना आधार फीड करवाए कोई भी परीक्षार्थी 2023– 24 सत्र में परीक्षा नहीं दे सकता है। फर्जीवाड़ा रोकने और गुड गवर्नेंस के उद्देश्य छात्र–छात्राओं के आधार प्रमाणीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा में शामिल होने के लिए आधार नंबर को अनिवार्य किया जाएगा। महानिदेशक स्कूली शिक्षा विजय किरण आनंद की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिए गए निर्णय के क्रम में सबसे पहले 2023– 24 सत्र में प्रवेश ले चुके 10वीं और 12वीं के छात्र छात्राओं का प्रमाणीकरण कराया जाएगा। इसी क्रम में 9वी और 11वीं के विद्यार्थियों के आधार को भी प्रमाणित किया जाएगा, ताकि अगले वर्ष बोर्ड परीक्षा का फॉर्म भरते समय आधार नंबर को अनिवार्य किया जा सके। यूपी बोर्ड के सचिव ने सभी स्कूलों के प्रधानाचार्य को निर्देशित किया है कि वह 10वीं और 12वीं में प्रवेश ले चुके छात्रों का आधार संख्या, नाम की स्पेलिंग, जन्म तिथि, जेंडर व अन्य वर्णों का मिलान यूपी बोर्ड की वेबसाइट पर अपलोड विवरणों से 20 मई तक करते हुए अपडेट करें . मिलान और आवश्यक संशोधन के लिए बोर्ड की वेबसाइट 11 मई से चालू की जाएगी। इस दौरान यदि किसी छात्र–छात्रा को आधार कार्ड में ही उसके नाम में स्पेलिंग में जन्म तिथि में त्रुटि है तो आधार कार्ड में संशोधन के लिए छात्र–छात्रा एवं अभिभावकों निर्देशित कर दिया जाए, ताकि समय रहते सभी कमियों को दूर किया जा सके।

मतगणना के दौरान सपा और भाजपा कार्यकर्ता आपस मे भिडे

कुशीनगर। जनपद के पडरौना में बीजेपी और सपा कार्यकर्तायों में भिड़ंत हो गई। जिसके बाद मतगणना केंद्र में तैनात सुरक्षा कर्मियों को हल्के बल का भी प्रयोग करना पड़ा है। हालांकि इस दौरान बीजेपी कार्यकर्ता भी पुलिस से उलझते हुए दिखाई दिए।

जनपद के पडरौना नगर में उदित नारायण इंटर कॉलेज में निकाय चुनाव के लिए वोटों की गिनती हो रही है, इसी दौरान यहां पर सपा और बीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच भिड़ंत हो गई, सपा कार्यकर्ताओं ने अवैध मतों का आरोप लगाया, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। तभी सपा कार्यकर्ताओं ने बीजेपी के प्रत्याशी को धक्का दे दिया, जिसके बाद दोनों दलों के समर्थक आमने–सामने आ गए और फिर उनके बीच धक्का–मुक्की शुरू हो गई। विवाद बढ़ता देख पुलिस प्रशासन ने मामले में दखल दिया।

10 सीटो में 4 पर भाजपा की विजय,तो निर्दलियो ने 4 पर विजय पा सबको चौकाया

कौशाम्बी । विगत 4 मई को संपन्न हुए नगर निकाय चुनाव में जिस कदर भाजपा प्रत्याशियों के विजय की उम्मीद लगाई जा रही थी उससे भाजपा कई कदम पीछे नजर आई। जनपद में निर्दलीय प्रत्याशी भाजपा से किसी भी कीमत पर पीछे नहीं रहे। जनपद की मंझनपुर नगर पालिका सहित 4 सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों ने जीत का परचम लहराया । वही 4 सीटों पर निर्दलीय प्रत्याशी विजयश्री हासिल कर सभी को चौका दिया । विगत 4 मई को नगर निकाय चुनाव सकुशल संपन्न कराए गए थे । जिसकी मतगणना 13 मई को जनपद के 3 केंद्रों में कराई गई। नगर निकाय चुनाव में मंझनपुर भरवारी नगर पालिका में भाजपा प्रत्याशी ने जीत हासिल की। इसके साथ ही सिराथू तथा अजुहा नगर पंचायत सीटों पर भी भाजपा के प्रत्याशी विजई रहे ।

वहीं दूसरी ओर निर्दलीय प्रत्याशी भी किसी कीमत पर पीछे नहीं रहे और पहली बार जनपद की चार नगर पंचायतों में जीत हासिल कर सबको चौकानेवाले परिणाम सामने कर दिए । जनपद की नव गठित नगर पंचायत दारा नगर कड़ा धम के साथ ही नगर पंचायत करारी ,नगर पंचायत चरवा, नगर पंचायत चायल में निर्दलीय प्रत्याशी भाजपा व सपा प्रत्याशियों से काफी मतों से आगे रहकर जीत हासिल किया । इसके साथ ही सराय अकिल जैसी महत्वपूर्ण नगर पंचायत से आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी ने जीत हासिल कर पूरे जनपद में अपना डंका बजा दिया। नवगठित नगर पंचायत पूरब पश्चिम सरीरा में परिणाम बहुत ही चौकानेवाले रहा। भाजपा प्रत्याशी को करारी शिकस्त देते हुए सपा प्रत्याशी ने भारी बहुमत से जीत हासिल कर एक बार सभी को सोचने पर मजबूर कर दिया।

भाजपा के काम आया अतीक के खिलाफ एक्शन का फैक्टर नेताओं की बगावत का नहीं पड़ा कोई असर

प्रयागराज । माफिया अतीक अहमद और उनके कुनबे तथा गुर्गों के खिलाफ की गई कार्रवाई का असर नगर निकाय चुनाव में साफ देखने को मिला। लगभग दोगुना मतों के अंतर से जीत भाजपा को जीत मिली। मंत्री नंदी सहित कई वरिष्ठ भाजपा नेताओं का बगावती तेवर भी जनता ने नकार दिया। प्रयागराज नगर निगम में माफिया के खिलाफ योगी सरकार का एक्शन सफल रहा। निकाय चुनाव की आहट शुरू होते ही विधायक राजू पाल हत्याकांड के गवा उमेश पाल और उनके दो अंगरक्षकों की गोली मारकर हत्या के बाद प्रदेश की राजनीति में हलचल मच गई। इसका सीधा असर निकाय चुनाव पर देखा गया। इसके बाद शुरू हुए ताबड़तोड़ कार्रवाई में माफिया अतीक के बेटे असद और शूटर गुलाम का 13 अप्रैल को एनकाउंटर कर दिया गया। इसके पहले शूटर अरबाज और विजय चौधरी उस्मान को पुलिस ने मार गिराया था। 15 अप्रैल को कॉल्विन अस्पताल के गेट पर माफिया अतीक और अशरफ की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसका काफी असर चुनाव पर देखा गया और भाजपा को इसका पूरा लाभ मिला। भाजपा ने निवर्तमान महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी का टिकट काटकर भाजपा के सामान्य कार्यकर्ता उमेश चंद गणेश केसरवानी पर दांव लगाया था, जो काफी सफल रहा। कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी की नाराजगी का भी चुनाव पर कोई असर नहीं दिखता नजर आ रहा है। नंदी ने पत्नी को भाजपा से महापौर का टिकट न मिलने पर काफी नाराजगी जाहिर की थी और इसका गुस्सा प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य पर उतारा था। विधानसभा चुनाव में नंदी के खिलाफ शहर दक्षिणी से सपा के टिकट पर चुनाव लड़ चुके रईस चंद शुक्ला को भाजपा में शामिल कराने पर नंदी ने डिप्टी सीएम केशव को आड़े हाथों लेते हुए खरी खोटी सुनाई थी। इससे लग रहा था कि नगर निगम महापौर के चुनाव में नंदी की नाराजगी का खामियाजा भाजपा को भुगतना पड़ सकता है, लेकिन अतीक अहमद और अशरफ के खिलाफ हुए ताबड़तोड़ ऐक्शन और माफिया बंधुओं की पुलिस कस्टडी में हत्या के बाद शहर की राजनीति बदल गई और इसका पूरा फायदा भाजपा को मिला। मतदान से दो दिन पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माफिया अतीक अहमद के इलाके में जनसभा कर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ ही आम जनमानस को काफी प्रभावित किया।

निकाय चुनाव में टिकट कटने के कारण भाजपा के कई कद्दावर नेताओं ने भी पार्टी से बगावत कर दी। कई ने तो खुद मैदान में उतरकर भाजपा प्रत्याशियों के खिलाफ चुनाव लड़ा जबकि तमाम नेताओं ने विरोधी पार्टी के प्रत्याशियों का चोरी चुपके समर्थन कर भाजपा को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया। मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने टिकट न मिलने पर सार्वजनिक रूप से नाराजगी जाहिर कर पार्टी में हलचल पैदा कर दी।

नफरत फैलाने वालों को दिखाया बाहर का रास्ता: डॉ जगत नारायण

कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी की विजय पर कार्यकर्ताओं में खुशी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज । कर्नाटक में कांग्रेस की जीत पर कांग्रेसियों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया।

इस मौके पर डा.जगत नारायण सिंह ने कहा कि कर्नाटक की जनता ने राहुल गांधी के नेतृत्व में नफरत फैलाने वालों को बाहर का रास्ता दिखा कर यह साबित कर दिया कि कर्नाटक के लोग राहुल के नेतृत्व में निश्चित ही 2024 में भाजपा को केंद्र की सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाने का काम करेंगे। रश्मिता दुबे ने कहा कि कर्नाटक की जनता ने भाजपा की गलत नीतियों को नकार कर सांप्रदायिक ताकतों को बाहर का रास्ता दिखाया। कांग्रेस के राष्ट्रीय सदस्य अशफाक अहमद ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने लोगों को एकजुट किया शांति और सद्भाव के विचारों को लोगों तक पहुंचाया। यह एक

महत्वपूर्ण कारण है जो कांग्रेस को जीत की राह पर ले गई। उन्होंने कहा कि कर्नाटक चुनाव का परिणाम लोकसभा चुनाव की एक सीढ़ी है। कर्नाटक में नफरत की नहीं मोहब्बत की जीत हुई है। यह जीत कर्नाटक की जनता की जीत है। इस अवसर पर। विनोद विश्वकर्मा, राधेश्याम पाण्डेय, शम्भू सिंह, मोहम्मद शमीम प्रधान, अधिवक्ता अरशद अहमद सिद्दीकी,अरविन्द पाण्डेय, पवन पटेल, उदय भान सिंह, हिमाचल, चन्द्र भान विश्वकर्मा, देवराज उपाध्याय एडवोकेट आदि लोग उपस्थित रहे।

ऐतिहासिक जीत कार्यकर्ताओं और जनता जनार्दन को समर्पित है. गणेश केसरवानी

प्रयागराज। प्रयागराज नगर निगम में मिली भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत पर भारतीय जनता पार्टी के महापौर पद के उम्मीदवार उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने कहा कि प्रयागराज नगर निगम में मिली प्रचंड जीत कार्यकर्ताओं और जनता जनार्दन को समर्पित है। उन्होंने कहा किप्रयागराज से मिली ऐतिहासिक जीत

ने उत्तर प्रदेश के सभी नगर निगम के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का परचम लहरा दिया। इस प्रचंड जीत पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने होली दिवाली मनाते हुए झूमते नाचते गाते एक दूसरे को बधाई दी। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि महापौर पद के उम्मीदवार गणेश केसरवानी एवं भारतीय जनता पार्टी के सर्वाधिक पार्षद जीतने के बाद कार्यकर्ताओं ने विजय उत्सव यात्रा के साथ जनता जनार्दन का आभार जताया। विजय उत्सव यात्रा में विजय उत्सव यात्रा मुंडेरा मंडी से जयंतीपुर सुलेम सराय खुल्दाबाद नखास कोना चौक मुट्ठीगंज कीडगंज राम भवन चौराहे से होते हुए निकाली गई। विजय उत्सव में जगह–जगह कार्यकर्ताओं एवं व्यापारियों ने भव्य स्वागत किया। विजय उत्सव में विधायक हर्षवर्धन बाजपेई, एमएलसी सुरेंद्र चौधरी, पूर्व विधायक दीपक पटेल, विधान परिषद सदस्य निर्मला पासवान, प्रदेश मंत्री अनामिका चौधरी, कुंज बिहारी मिश्रा, देवेश सिंह, वरुण केसरवानी, राजेश केसरवानी, किरन जायसवाल, हरीश मिश्रा एवं हजारों कार्यकर्ता शामिल रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–: संस्थापक :–

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।